

# राजस्थानी वाणी

राजस्थानी भासा, साहित्य, संस्कृति री प्रचार पत्रिका

बरस : 2

अंक : 5

दिसम्बर 2021



सम्पादक : चेतन स्वामी

VISIT...

LANZAROTE  
*Caliente*.COM

# राजस्थानी वाणी

राजस्थानी भासा, साहित्य, संस्कृति री प्रचार पत्रिका

बरस-दो \* अंक-पांच

दिसम्बर 2021

## संरक्षक :

- श्री चुन्नीलाल  
सोमानी परिवार  
श्रीङ्गरगढ़
- श्री गौरीशंकर राठी  
श्रीङ्गरगढ़
- अखिल भारतीय  
मारवाड़ी युवा मंच

## सम्पादक :

- चेतन स्वामी

## प्रकाशक-मुद्रक :

- धनावंशी प्रकाशन  
कालूबास,  
श्रीङ्गरगढ़ (राज.)

## ग्राफिक्स डिजाईन :

- अनिल प्रिण्टर्स

## कवर रो चितराम :

- किरण राजपुरोहित 'नितिला'

## इण अंक री विगत

सम्पादकीय/03

गाँव (कहाणी)-पूरण शर्मा 'पूरण' /04

गाँधीजी री सोगन (कहाणी)-गिरधानदास रतनू 'दासोड़ी' /12

अस्सी सूँ अस्सी बिलियन-प्रो. जी. अेस. राठौड़ /17

कांदा री करामात-शंकरसिंह राजपुरोहित /21

दरद न जाणै कोय-डॉ. मंगत बादल /24

तकलीफ न कयूँ माना तकलीफ (कविता)-लक्ष्मण नेवटिया /30

बनड़ा (लोकगीत) /31

मदन बावनियो (धारावाहिक उपन्यास)-राजेन्द्र केडिया /32

हंसी री कविता रै नाम माथै कविता री हंसी-शंकरसिंह राजपुरोहित /36

संध्या वंदन रा अधिकारी (बैदंगी)-वैद्य श्रीराम कौशिक /44

राजस्थानी लघु फिल्म 'अरज' एक अनुभव-किरण राजपुरोहित 'नितिला' /45

आपणी कहावतां-मनोहरसिंह राठौड़ /49

With best compliments from

Cell: 9444160566  
8939494773

# Sundeeep Ganeriwala

Flat No.1B, Harmony Apartments, Old No.29, New No.14 Dr. Guruswamy Road, Chepet, Chennai 600 031  
Email: sg231269@gmail.com



●●● चेतन स्वामी



## छैकड़ राजस्थानी भासा री पैरवी कर कुण रैयो है

संपादकीय

कदैई राजस्थानी उद्योगपतियां रो दबदबो देस रा लूँठा राजनेतावां माथै रैया करतो, पण बै उद्योगपति राजस्थानी भासा नै मान्यता री बात राजनेतावां मुंडागै कदैई कोनी कर सक्या और सतर बरसां पछै अबै भी उद्योगपति राजस्थानी री मान्यता री बात कोनी करै। बां नै लागै बां रो ओ विसय कोनी इण खातर होठ सींव्योड़ा बैठा है। बां नै राजस्थानी सूं कीं हेत लगाव भी निजर कोनी आवै। बां रो काम राजस्थानी रै बिना ठाठ सूं चाल रैयो है।

राजनेतावां कांनी झाकां, तो संसद मांय पूगणवाळा कोई कोई सा राजनेता कदैई कदैई राजस्थानी नै मान्यता री मांग करै, पण बा मांग इतरी निमंधी होवै कै उणरो कोई खास असर कोनी पड़ै। केन्द्र मांय चावै जिकै दल री सरकार होवै, बा राजस्थानी नै मान्यता रै मुद्दे नै आगै सूं आगै टरकावती रैवै।

राजस्थानी रा कीं कीं लेखक मान्यता री बात करै। पण सगळा कोनी करै, इण वास्तै लेखकां री मांग कीं असर पैदा कोनी कर सकी। भासा नै मान्यता खातर कीं संगठन ई बण्योड़ा है, पण नीं सुणनवाळी केन्द्र सरकार बां री बात भी सुण नीं रैयी है।

तो पछै मान्यता री बात किण नै करणी चाइजै, जिणरी बात सुणी जावै? मान्यता री बात राजस्थानी बोलणिया मिनखां नै करणी चाइजै। घणा सारा मिनख जे एकै सागै मांग राखै तो गूंगी बहरी सरकार रै कानां कोई बात पूगै। पण, राजस्थान री जनता रै कालजै मांय भासा खातर कोई सनेव ई नीं बण रैयो है। जनता बिजली, पाणी, रुजगार सो कीं मांग सकै, पण भासा भी कोई मांगण री चीज हो सकै, आ बात उणरै समझ में ही नीं आय रैयी है। आ जनता कियां जागै?

अरजवंत  
चेतन स्वामी



पूनरासर बाबो सब री भली करै

M.: 9831031966

# किशनलाल पवनकुमार बाहेती

फर्म-मनोहरदास कटरा-कोलकाता

कालूबास- श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

कहाणी

HD KHAGTA  
AGTA-CON

# गांव

पूरण शर्मा 'पूरण'

चौधरी रामलाल देस आजाद हुयां पछै ई  
नंबरदारजी बाजै अजै ई। कोरा बाजै ई नीं  
बाकायदै लोगां दो बरियां सरपंच ई बणायो है।  
पछै जद रिजर्वेशन आयग्यो तो अेकर-अेकर तो  
लाग्यो जाणै दिन पूठा आयग्या, पण जठै चाह  
बठै राह। आंटा ई कढग्या। बडोड़ी बीनणी दस  
पास ही। अर महिला कोटो आंवतां ई चौधर पूठी  
घरां ल्याय बाड़ी।



भीमराज डागा

डागा परिवार

कोलकाता एवं सरदारशहर का कोटि-कोटि वंदन।

**responce**  
in time every time

**Pradeep Kumar Daga**

Group CEO + 91 9830011101



प्रदीप डागा



**गां** व आजकलै गांव कोनी रैयो। अलबत्त बीं रो खोलियो तो गामेती ई है अजै, पण मन गामेती कोनी रैयो। अर इत्तो ई क्यूं बीं रा कुड़ता-गाभा, खावणो-पीवणो अर चाल-चल्लो सो कीं गांव नै बिसरायां बगै। लेवड़ा छोडती भींतां अबैं पक्की हुयगी। गारो अर धोळख नै छोड भींतां अबैं पुटी अर भांतभंतीला रंगां सूं घणवरणी हुय रैयी है। बरंगा लटकतै दरुजां रा कुणा रोकनै बणायेडी बांकी-चूंकी परचूण री दुकानां आं दिनां दोलड़ै सदृरआळै जनरल स्टोर मांय बदळीज रैयी है, तो कच्ची अर कादै सूं छिंटमछींट रैवती गळियां खडूंजै अर सीसी रोड़ मांय। आं दिनां बदळीज्यो सो कीं ई है। हाकम अर हुकम दोनूं ई। बदळ्यो पैरवास है, तो बदळ्यो रैवास ई है अर ढंग खाणै-पीणै रो बदळ्यो है, तो ढाळो जीणै रो ई बदळ्यो है। तीन लगांवता तेरह लगावै आजकलै। जका

कीं सावळ है बां रै अठै दिनुगै री चाय साथै भुजिया-बिस्कुट तो आपरी ठौड़ है ई, कदै-कदै पोआ अर पुलाव आद ई बणै। हांडी बखत खाटो भेंवती बूढळ्यां अबैं सिंझ्यां दीयो-बाती री वेळा ताई बुद्धू बगसै सांम्है सूं हालै ई कोनी। बीनण्यां मांय-बिचाळै रसोवड़ै कांनी गेड़ा मारबो करै पण निजर भींत माथै टंगेड़ै अेलईडी माथै ई रूपी रैवै। जियां टोगडियो खूंटै सूं बंध्यो-बंध्यो ई चौफेर फिरबो करै पण जावै कठैई कोनी। गेड़ो फिर-घिरनै बठैई आ जावै। गांव-गांव अर घर-घर आ ई बात है।

अर फेर इण घर री तो बात ई न्यारी है। अबार दो ई हफ्ता हुया है, घरां नूवी बीनणी आयां नै। ओ घर चौधरी रामलाल तेतरवाळ रो है। चौधरी साब गांव मांय नाम धरावै। अबैं सूं नीं बाप-दादां रै बखत सूं ई। देस आजाद हुयां सूं पैलां सूं ई। बाप-

Gouri Shankar Rathi

Saroj Rathi

Amit Kumar Rathi

## AMIT TREXIM PRIVATE LIMITED

2A, Suvarnlok, 34, Malony Road, T. Nagar, Chennai, Tamilnadu, Bharat-600017  
Tel:044-24337156, Call : +91 9620232579 Email : amitkumarr@gmail.com

Farm House & residence : "Brindavan", 3/285, V.V. Subramaniam Salai, Nainar Kuppam, Uthandi, Chennai, Tamil Nadu  
Bharat-600119, Tel : 044-24530755 Call : +91 9840009451, 9962235571, Email : gourishankarrathi@gmail.com



दादा नंबरदार हा अर गयै बखत मांय नंबरदारी मांयनो राखती। बो मायनो आज भलाई बदळग्यो हुवै पण कोई चीज बदळै जद पूरी तरियां कद बदळै? कठै नीं कठै आपरो रूपांण ठायो राख मेले। अर ओ ई कारण हो कै चौधरी रामलाल देस आजाद हुयां पछै ई नंबरदारजी बाजै अजै ई। कोरा बाजै ई नीं बाकायदै लोगां दो बरियां सरपंच ई बणायो है। पछै जद रिजर्वेशन आयग्यो तो अेकर-अेकर तो लाग्यो जाणै दिन पूठा आयग्या, पण जठै चाह बठै राह। आंटा ई कढग्या। बडोड़ी बीनणी दस पास ही। अर महिला कोटो आंवतां ई चौधर पूठी घरां ल्याय बाड़ी। सरपंचाई मांय आं नै जोर ई कांई आवै हो। चौधरीसाब कनै सगळा आंटा ठाया हा ई अर फेर चौधरीसाब रै हुंवतां थकां बीनणी तो निरवाळी ही ई। कोई मीटिंग-सीटिंग हुवै तो भलां ई नींतर सरपंचाई बारली बैठक सूं चालनै आंगणै मांय कदेई बड़ी ई कोनी। हां रिस्तेदारी मांय का पछै नूवी ठौड़ चौधर रै किणई जिकरै मांय 'बडोड़ी बीनणी सरपंच है' कैवणो पड़ै तो भलां ई, नींतर सरपंच तो चौधरीसाब ई बजै। सरपंच रो घरधणी मतलब चौधरी साब रो बडोड़ो बेटो राज रो नौकर। बियां नौकरी दोनूं बेटा ई करै। चौधरी साब रै दो बायलियां अर दो भाया है। दोनूं बायलियां छोरां सूं

बड़ी है अर पंजाब मांय ब्याहेड़ी है। भाई दोनूं नौकरीपेसा है ई। खेती बाड़ी मोकळी है पण चौधरी साब ई देखाभाळी करै। देखाभाळी ई करीजै, खुद थोड़ी करीजै? खुद तो पैलां ई कोनी करी कदेई, अब कांई करै हा। पोतो है, दिनगै-दिनुगै जीपड़ी मांय बिठायनै आपरै दादै नै गेड़ौ मरा ल्यावै। पोतो? हां पोता दो है चौधरीसाब रै। दोनूं बेटां रै अेक-अेक भाइयो अर अेक-अेक बायली है। च्यारूं पढै। पढाई पूरी कोनी हुयी पण रिस्ताआळा गेड़ा देवण लाग्या जद नट्यां ई तो कोनी सयौं नीं। चजसर रिस्तो पकड़ मांय आंवतां ई चौधरी साब हां करदी। पोतौ ब्याहीज्यो अर घरां बीनणी आयगी।

अबार आंगणै मांय भींत माथै जको प्लाज्मा टीवी चाल रैयो है बो बीनणी ल्यायी है दायजै मांय। हेली रो ठाडो आंगणो जको किणी हॉलसूं कमती कोनी अर टीवी मांय अेक रै पछै अेक आंवता पाणीला चितराम सगळां नै बींध राख्या है। सामली भींत सारै बैठक कानी ढळेड़ै सोफे माथै दादी मतलब चौधरीसाब री जोड़ायत टोर बांध्यां बैठी है। दूजी कानी प्लास्टिक री कुरसी माथै नूवी बीनणी री सासू मतलब बडोड़ी बहू मतलब गांव री सरपंच बैठी है। दादी सारै ई बैठी है बीनणी री दोनूं नणदां।



# श्री आशाराम-भगवतीप्रसाद मूंधड़ा

आडसरबास-श्रीडूंगरगढ़

## मंगळकामनावां-प्रकाशचन्द्र मूंधड़ा

मूंधड़ा होल्डिंग प्राईवेट लिमिटेड, रायगढ़-छत्तीसगढ़



ओ घर तो ठाडो ई हो हरमेस सूं अर  
ठाडो ई रैयो अठै जण। बारै रो काम तो  
कोनी हुयो कदेई पण आंगणै मांयलो  
काम तो हुवै ई है। अर कारण-अडै मांय  
का पछै अचाणचकै ई किताई जणा हुवो  
भलां ई चाय-पाणी खातर किणरो ई  
सारो कोनी तकै मौसी।

अेक नौंवी मांय अर अेक बारवीं मांय भणै। बै  
किसी महाभारत देखै। बीनणी रै चिपी ई रैवै पूरै  
दिन। अबार दादी कनै बैठी है तो इण कारण कै  
बीनणी मतलब वीनू भाभी, जकी नै बै वीनू ई  
कैयनै बतळावै, नहावणघर मांय बड़ेड़ी है।  
नहाणघर मांय बड़ी है तो मतलब घंटा खंड तो  
लागसी ई। अर इत्ती ताळ बै आपरी दादी कनै बैठी  
है।

‘किंयां बेटा ...वीनू कीं कैवै ई कांई?’ दादी  
आपरी पोतियां नै फोर-घोरनै पूछती रैवै। टाबर रो  
मन टाबर ई खोल सकै, दादी सूं कांई छानो है।

‘हां कैवै हा...।’ बडोड़ी पोती कैयो तो दादी  
आपरौ मुंडो टीवी कानी सूं हटायो अर पोती कानी  
देख्यो।

‘वीनू भाभी कैवै हा.... दादी ब्होत आछा है।  
कित्तो लाड राखै म्हारो...।’ सुणनै दादी मुळक्या।  
ठाह है पोती पंप कोनी मारै, कैवती ई हुयसी। क्यूं  
कोनी कैवै संस्कारी घर सूं आयी है, बात नै बात  
कैवणी तो जाणै ई है।

‘तूं की बोली कोनी बेटा... थारो लाड तो  
राखसी हुयसी भाभी? लाडली नणदल है तूं तो।’  
दादी छोटकी पोती निंजू नै आपरै कंधोळै  
चिपांवता पूछ्यो।

‘वीनू तो घणी ई राजी रैवै आं दोनुआं सूं  
दादी ओ....। कैवै ही मां-मौसी म्हें तो इस्यो ई घर  
लारै छोडनै आयी ही अर इस्यो ई अठै मिलग्यो।’

आ छोटोड़ी बहू... मतलब मौसी ..मतलब  
सरपंच री भाण है। घर रो टबारो इणरै ई जुम्मै रैवै।  
हंसोकड़ी है। सगळां साथै हांसबो करै। मजाक करै  
पण किणनै रुसण ई कोनी देवै। भाण साथै मजाक  
करबो करै.. अर छेड़ण खातर बतळावण रै मिस  
कैवै, ‘बाई सरपंच अे...।’ हांसियां मांय बात नै कठै  
सूं कठैई पूगा देवै। अर हांसियां मांय ई क्यूं बियां ई  
बात री कारीगर है मौसी। कारीगर तो काम री ई है।  
काम नै पीय जाणै। बडोड़ी भाण तो कीं बेसी तांण  
पड़तां ई बिचळ जावै पण मौसी जाणै काम सूं  
खेलबो करै। ओ घर तो ठाडो ई हो हरमेस सूं अर  
ठाडो ई रैयो अठै जण। बारै रो काम तो कोनी हुयो  
कदेई पण आंगणै मांयलो काम तो हुवै ई है। अर  
कारण-अडै मांय का पछै अचाणचकै ई किताई  
जणा हुवो भलां ई चाय-पाणी खातर किणरो ई  
सारो कोनी तकै मौसी।

अबार नूवी बीनणी रै आगै-लारै रैवै। ‘वीनू  
ल्या अे... ओ काम म्हें कर देयस्यूं।’ थूं थकगी  
हुयसी लाडो .... कीं बिसांई लेयलै।’  
बिसांई नै तो बिसांई ई पड़ी है। कित्तोक काम है अबै

**DISCIPLINE**
**CHARACTER**
**EDUCATION**

# SESOMU SCHOOL

Website: [sesomu.org](http://sesomu.org) : E-mail: [admin@sesomu.org](mailto:admin@sesomu.org) & [sesomuappo@gmail.com](mailto:sesomuappo@gmail.com)

AN ENGLISH MEDIUM CBSE CO-EDUCATIONAL DAY-CUM-RESIDENTIAL SENIOR SECONDARY SCHOOL WITH SCIENCE & COMMERCE STREAMS

वीकानेर जिले में सर्वप्रथम अटल टिकरिंग (रोबोटिक) लेव सेसोमू में शीघ्र शुरु हो रही है।

N-H- 11, Sri Dungargarh -331803, Dist. Bikaner, Rajasthan Tel.: 01565-223025, 224330 Mob. 9413361144, 9462891822

तो घरां। गाय-भैंस तो राखै पण गोबर-भारी अर नीरा-चारी करणिया दूजा ई है। तीजिये खेती बावै जका अर केई जका इयां ई पळबो करै अठै, सरपंचाई रै तांण, बै है ई। आं लोगां खातर बारली बैठक री पड़छियां का पछै नोहरै मांय घालेड़ो चोड़ै बारणै आळो कोठो हरमेस तयार रैवै। नोहरो है ई खेत जित्तो। अेक कांनी डांगर-पसु अर दूजी कानी तूड़-फूस अर ट्रैक्टर-जीप खड़ी करण खातर ठाडी-सी गैराज अर कोठो है। कारू-कमीणां री तो सदां ई बाफरत रैयी अठै अर अबें तो रैवणी ई ही। नेट गांव री सरपंची बसै। पण आं दिनां सरपंची आंगणै मांय रैवै। ब्याह मांय आयेड़ी बतावणियां अर रिस्तेदारणियां माथै तो आंगणैआळी सरपंचाई री ई दाब ई पड़ी माटी। अर नीं पड़ै तो ई बारली सरपंचाई किसी सूकै ही इतै मांय। बारली बैठक मांय तो रैवणी ई रैवणी है। मांयली सरपंचाई तो फगत दिखावटी ई है, साचली थोड़ी है। चौधरीसाब सूं कीं छानो कोनी। ब्याह जिस्यै टाणै मांय बास-गळी री नीं पूरै गांव री लुगाई-पताईयां रो पगफेरो रैवै। इस्यै मांय 'मरो अे...' कैंवतां ई जेज कोनी लगावै लुगाईयां अर बात नीं बात रो खोज पण पूरै गांव मांय पसर जावै, सिंझ्यां सूं पैली-पैली। अर इयां सूकी-पाकी सरपंची रो मांय रैयां बिगड़ै ई कांई हो? बाकीस मांय अर बारै री सगळी बातां रो ठाह राखै ई है बै। आं दिनां मांय कीं घट बखत मिलै अर आंगणै मांय घट ई आयीजै बां सूं। बियांस आथण री आथण चौधरण सगळी मांडनै बता जावै।

पण दो दिन हुयग्या चौधरण आयी कोनी बैठक मांय। नहावा-धोयी बारै हुय ई जावै तो मांयनै आवण रो काम ई कोनी पड़ै चौधरीसाब रो। बां रै कानां कोई भणकार तो ही कोनी जको बै कीं बैहम करै। बस इयां ई सूत्या-सूत्या सोचै हा किण मांय फंसगी बूढळी। चौधरीसाब छोळां हुवै जद चौधरण नै बूढळी ई कैवै।

बूढळी मतलब चौधरण मतलब दादी मतलब स्याणी दादी ... साच्याणी फंसेड़ी ही आं दो दिनां मांय। तड़कै दुपारै तांई बीनणी नै लेवण आयसी पीहरला। अर बस इतो ई टैम हो दादी कनै कूंतो काढण खातर।

कूंतो? किण बात रो कूंतो? नां.. नां ! इयां चौड़ै-धाड़ै कुण बतावै। इयां खुल्लै मांय तो बताइजै ई कोनी। बात घरां है इतै ई घर री है, घर सूं बारै तो गांव है। गांव रा कान भींतां रै चिप्या रैवै आजकलै। दादी सूं किस्यो छानो है। दुपारो मसां-सीक लेयीज्यो अर कीं आड-टेड हुवणआळी टैम हुयी तो छोटोड़ी बहू नै जा बतळायी। बैहम तो दादी रै जद ई हुयग्यो हो जद दादी आंगणै मांय छोटकी पोती नै पूछ्यो हो कै भाभी थारो लाड तो राखै है नीं..? पोती रै उथळो दियां सूं पैलां ई छोटोड़ी बहू बिचाळै ई बात सांभली ही अर पोती कीं कैंवती-कैंवती रैयगी ही। दादी समझगी ही कै बहू बात दाबली। अर बियांस सावळ ई है, इसी बात आंगणै मांय हुवण ई कियां देवै ही। दिनुगै-दिनुगै तो गांव-गळी री लुगाइयां रो ई तांतो कोनी टूटै नीं। अर कीं खुद बीनणी सूं ई ओटो राखणो पड़ै तुरतेई। दुपारै सीक



**राजस्थानी वाणी रै  
प्रकाशन सारू  
मोकळी मोकळी बधायां**



**रामजीवन सुरेका  
तिनसुकिया (आसाम)  
लक्ष्मणगढ़**

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य  
अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच



रोटी जीम-जूठनै कीं च्यांचप हुयी तो दादी अर छोटोड़ी बीनणी थानआळै कोठै मांय ही।

‘काईं बात ही।’ दादी सीधा सीधी पूछी।

‘बात रो पूरो तो ठाह कोनी दादी ओ .... पण कीं नां कीं रोळो तो है।’

‘झाड़बोझै बारकर क्यूं फिरै... खुलनै बता नीं।’ दादी उतावळ करै ही।

‘म्हनै तो निंजू बतायो ... परस्यूं ई। पण म्हें सोच्यो इयां ई करै, टाबर तो है ई। फोन तो करै ई ...बिच्यारी। जठै जामी-जायी, बीस साल रैयी, ओळ्यूं तो आवै ई। मां-बाप तो मां-बाप ई हुवै। पछै तो ....।’ मौसी बतायां बगै ही पण दादी बिचाळै ई टोक दियो।

‘तूं सीधा सीधी बता नीं।’

‘निजूं कैवै ही कै भाभी फोन रै चिपी रैवै पूरै दिन। म्हारै साथै कैरम खेलती हुवै चायै। फोन आंवतां ई बिचाळै ई ऊभी हुय जावै अर पसवाड़ै जायनै सप-सप करबो करै।’ मौसी दो टप्पां मांय बात निवेड़ी।

दादी नै बात कोई खास कोनी लागी। आजकलै सगळा अ ईट-सी चक्यां राखै तो राखै किण खातर है? बात ई तो करै? पण दादी कीं बोली कोनी, पड़तख पूछ्यो सुमि कीं कोनी बतायो?’

बडोड़ी पोती रो नांव सुमि है।

‘सुमि जको कीं बतायो बीं सूं ई तो बैहम हुयो म्हनै स्याणो। कठैई ओमीआळी-सी ना हुय जावै।’

मौसी जाड़ दाबती कैयो।

‘बात नै टप्पां नां चढाया कर तूं।’ दादी मिसोमिस मौसी नै बरजी। पण बरजतां थकां दादी री खुद री आंख्यां साम्हीं बो सो कीं मंडग्यो। सांपरत। परगै आं ई दिनां री बात ही। लारली गळी मांय ओमी मेघवाळ आपरी छोरी नै ब्याह दी ही। ब्याह दी ही, मतलब...? मतलब, ब्याह तुरताफुरत ई कर दियो हो। करणो पड़्यो। नींतर खोज किंयां बूरीजै?

छोरी पढै ही। बारवीं मांय। गांव रा ऊत टींगर सारै दिन दे-दे गेड़ा राखता। ओमी सूं छानो कोनी हो पण अचाणचक छोरी सूं इस्कूल ई कोनी छुटाय सकै हो। बातां ई बातां मांय छोरी रै कानां मांयकर तो काढबो कर्यो पण अेक दिन ...। बाकी सगळा गांव सारलै खेत गयेड़ा हा अर ओमी उतरादैं खेत मांय सूड़ करण गयेड़ो हो। लोट मांय पाणी निवड़ग्यो उतावळी ई। बठै किंयां रैयीजै हो, तिस्स मरतो घरां आयग्यो। बारणै रो आगळ हटायो अर आंगणै मांय पग धर्यो तो कीं बैहम-सो हुयो। कीं समझै इती ताळ मांय तो कोठै सूं अेक टींगर नीसर्यो अर बो जा अर ...बो जा। ओमी भाजतै रै लारै भाज्यो पण बो कद हाथ आवै हो। घरां आयनै छोरी री मूंज बणादी कूट-कूटनै। छोरी चुसकी ई कोनी। आगमियो दीसग्यो ओमी नै। नाक तो कटसी। रात नै सगळा घरां बतळाया अर तैय हुयी कै कठैई आछौ-माड़ौ लाधै बिस्यो ई देखल्यो अर काटो रांद। ओमी पग जूती ई कोनी घाली। बतायो बठै ई गयो। कठै नीं कठै तो जचै ई। अर छेकड़ अेक जिग्यां जचग्यो। छोरो मिस्तरी हो बीजळी रो, अर बाबो खेती करै हो। खूड घर रा तो कोनी हा पण खेती तो ही। टींगरी भूख तो मरै कोनी, सोच्यो ओमी अर टीबड़ै ढळायदी। पण ....? पण ढळी कोनी। चौथै-पांचवै दिन सगै रो फोन आयो, ‘कम्मो अठै आयी है काई?’

‘हैं..?’ ओमी रै पगां तळै री धरती सरकगी।

Gouri Shankar Rathi

Saroj Rathi

Amit Kumar Rathi

# AMIT TREXIM PRIVATE LIMITED

2A, Suvarnlok, 34, Malony Road, T. Nagar, Chennai, Tamilnadu, Bharat-600017

Tel:044-24337156, Call : +91 9620232579 Email : amitkumarr@gmail.com

Farm House & residence : "Brindavan", 3/285, V.V. Subramaniam Salai, Nainar Kuppam, Uthandi, Chennai, Tamil Nadu Bharat-600119, Tel : 044-24530755 Call : +91 9840009451, 9962235571, Email : gourishankarrathi@gmail.com



जीपड़ी करनेभाज्या। बुआ-मौसी-नानेरै सगळै फोन खड़काया पण छोरी सुसियै रो तीजो पग हुयगी। दो-तीन दिनां मांय थक-हारनै होठ गोडां माथै गेर्यां घरां बावड्या तो ठा लाग्यो, छोरी तो गामै ई ही। पूरो गाम खड़खड़ हांसै हो। बीं दिन बो टींगर पिछाण मांय कोनी आयो हो, पण गांव जाणै हो पैलां ई। जाखलां रो छोरो हो। बण कमली नै सासरै सूं भजायी अर रात नै अठै गामै ले आयो मोटरसाइकिल माथै। इस्यां रा यार-बेली कस्या-कसाया रैवै। सैन री ई जुरत हुवै बस। सो कीं अगावू त्यार राखै। भाख पाटतां-पाटतां तो कम्मो ही नां कम्मो रा खोज। बस .... चरचो हो.. गांव री गळियां मांय टप्पा खांवतो।

‘स्याणो सुणो तो सरी। बीनणी रै पर्स मांय फोटू देखी ही काल।’

‘कुण देखी ही?’ दादी अबार ई तैय कोनी कर पायी ही कै बात नै कुणसै ढब परखै।

‘म्हने तो सुमि बतावै ही...।’

‘फेर?’

मौसी समझी कोनी, दादी कांई पूछणो चावै।

‘बीनणी कीं बतावै ही कांई?’ दादी खोदा तो काढै ही पण मौसी नै जको ठाह हो बो तो बता ई दियो हो, बाकी री तपास तो कर्या ई करीजै। दादी मौसी अर बडोड़ी बहू दोनुआं नै कैय दियो हो कै अबार मुंडो सीम्यां राखणो है। कदेई बकळ-बकळ कर देवो। बहुआं नै दोरी तो लागी पण दादी साम्हीं कीं कोनी कैयो। दादी दोनुआं नै समझांवती जावै ही अजे ई। ‘दूती घणी फिरै आजकलै। इयां ई कोई फूंतरो दीस जासी अर बै छींवर मानसी। आग लगाणियां नै आग ई सुहावै। गांव है ओ गांव।’

दुपारै री बैठक पूरी हुयगी। हांडी बखत री चाय पीवै हा सगळां। बीनणी दुपारी मांय तो ऊपर माळियै मांय ही पण अबार चाय रै मिस हेठै आंगणै मांय आयगी ही। बारी-बारी सगळां नै चाय पकड़ावै ही। दादी नै चाय री बाटकी झलायां पछै आपरी साड़ी रो पल्लो आंगळी बारकर घुमांवती होळै-सीक पूछ्यो, ‘दादी कित्ताक दिन छोड देस्यो?’

‘अठै जीव कोनी लाग्यो कांई बेटा?’ दादी वीनू रो

With best compliments from

Cell: 98101 63805

# Supra Enterprise

## Sushil Kejriwal

32/33, Nehru Place, Flat No.401-404, New Delhi 110 019 · Tel: 011-41097006, 24614209  
Email: info@supragroup.com



‘नां दादीमां .. जीव  
क्यूं कोनी लागै हो।  
कित्ता आछा है  
सगळा... म्हैं तो इंयां  
ई पूछै ही। तड़कै  
दादोजी आयसी नीं  
जद। थारै सूं मां री  
बात हुयी ही नीं...।’  
बीनणी मिसोमिस  
तसल्ली करणी चायी।  
‘हां लाडो... बात क्यूं  
कोनी हुयी।

सिर पळूस्यो अर भळै पूछ्यो, ‘... सुमि अर निंजू  
लड़ाई तो कोनी करती हुयसी?’ दादी बीनणी नै  
आपरी पोतियां बरगी ई मानै। टाबर ई तो है बिच्यारी।  
ब्याहदी तो कांई है...ऊमर थोड़ी ई हुयी है?

‘नां दादीमां .. जीव क्यूं कोनी लागै हो। कित्ता  
आछा है सगळा... म्हैं तो इंयां ई पूछै ही। तड़कै  
दादोजी आयसी नीं जद। थारै सूं मां री बात हुयी  
ही नीं...।’ बीनणी मिसोमिस तसल्ली करणी चायी।

‘हां लाडो... बात क्यूं कोनी हुयी। आजकलै तो  
रोजीना ई बतळावां म्हे सगी-सगी।’ दादी बीनणी  
सूं इंयां ई बिना मतलब री बतळायां जावै ही पण  
मन ई मन जचावै ही कै किणी आंटै सूं पूछूं दखां।

छेकड़ आंटो लाधग्यो। बीनणी पीहर जायसी तो  
दादसासू कीं नीं कीं तो करायसी नीं!

‘चाल बेटा थारी पिसन रा दो सूट छांट ले।’ दादी  
कैयो अर थानआळै कमरै मांय आपरी संदूक सूं  
गदागद सूट काढनै ढेर मार दियो। मांय बिचाळै  
बतळावती रैयी दादी। समझाइस देंवती रैयी।

‘देखी सुमि अर निंजू तो टाबर है बेटा। कीं ख्यांत  
कोनी .....संदूक-संदाक नां छेड़ण देया कर।

परस्यूं ई थारौ पर्स लेय राख्यो बतायो। बो तो  
आछो हुयो बीं री मौसी देख लियो। बा तो कोई  
फोटू लियां खड़ी ही।’ दादी फोटू रो जिकरो ई कर  
दियो पण फोटू ही किणरी , पूछ्यो कोनी वीनू सूं।

फोटू रो जिकर सुण वीनू रूंआसी-सी हुयगी।  
दादी बीं रै ढळेड़ै चैरै कांनी देख्यो।

‘दादी ....फोटू तो भीयै री है.... पैलीपोत टुरी जद  
बीं री घणी ओळ्यूं आयी....।’ अर वीनू बसबुसियां  
हुयगी।

‘नां बेटा नां..... रोया कोनी करया करै....।’ अर  
दादी बीनणी नै आपरी छाती रै चेप लियो।

कूंतो कढग्यो हो। वीनू सूं छोटो अक भाई और हो।  
तीनेक साल पैलां पेट दुख्यो हो अचाणचक ई  
अर...। रिस्तै री बात पकाथकी हुयां पछै सगी  
बतायो हो अक दिन। बतांवता-बतांवता सगी ई  
रोवण ढुकगी ही बीं दिन। दादी रै आ बात तो चेतै ई  
उतरगी ही, खैर...

आज रात ... मोड़ै-सीक दादी गयी ही चौधरी  
साब कनै। घणी ई ताळ तांई घरबीती-परबीती  
बतळावती रैयी.. पण आ बात कोनी बतायी।

Gouri Shankar Rathi

Saroj Rathi

Amit Kumar Rathi

**AMIT TREXIM PRIVATE LIMITED**

2A, Suvarnlok, 34, Malony Road, T. Nagar, Chennai, Tamilnadu, Bharat-600017  
Tel:044-24337156, Call : +91 9620232579 Email : amitkumarr@gmail.com

Farm House & residence : “Brindavan”, 3/285, V.V. Subramaniam Salai, Nainar Kuppam, Uthandi, Chennai, Tamil Nadu  
Bharat-600119, Tel : 044-24530755 Call : +91 9840009451, 9962235571, Email : gourishankarrathi@gmail.com



# गांधीजी री सोगन



गिरधरदान रतनू 'दासोड़ी'



'अंगूठा टेक, रहे न एक' रो ऐलान करती जीप धूवो काढ़ती गांव रै गवाड़ मांय आय'र ऊभी रैयी। जीप मांय सूं दो-तीन आदमी अर च्यार-पांच लुगाइयां निकळ्या। निकळता ई पंचायत भवन मांय बड़ग्या। भवन रै बरामदै में खंक रा भंतूळ ऊपड़ै हा, क्यूंकै वार-तिंवार ई पंचायत भवन री फूस बारी होवै, नींतर अठै कांई जान जीमावणी है! जको नितरोज आंगणो घसै? भवन तो बणै ई कबूड़ां री गूटरगूं सारू कै चमचेड़ां रै

आळां खातर कै काती में कुतियां री सुवाड़ सारू ई। जणै ई तो अठै कबूड़ां अर, चमचेड़ा री वींटां रै ढिगढेरां अर कुतियां रै फूड़ां री उरभाण सूं भवन री ओळखाण अर छिब न्यारी निरवाळी ही। बिंया भवन रा एक-दो कमरा तो सरपंचां री गायां सारू कुतर अर चारो न्हाखण सारू ई बणिया है अर

Gouri Shankar Rathi

Saroj Rathi

Amit Kumar Rathi

## AMIT TREXIM PRIVATE LIMITED

2A, Suvarnlok, 34, Malony Road, T. Nagar, Chennai, Tamilnadu, Bharat-600017  
Tel: 044-24337156, Call : +91 9620232579 Email : amitkumarr@gmail.com

Farm House & residence : "Brindavan", 3/285, V.V. Subramaniam Salai, Nainar Kuppam, Uthandi, Chennai, Tamil Nadu  
Bharat-600119, Tel : 044-24530755 Call : +91 9840009451, 9962235571, Email : gourishankarrathi@gmail.com



बाकी रै एक-दो में पैलड़ै सरपंचां रै घर रो अटाळो पड़ियो है। भवन उपयोग सारु ई तो बण्यो है, जणै उपयोग आवणो ई चाहीजै।

पण आज अठै आ बात नीं ही। आज तो अठै फूली फूस काढण में लोभ रै मारग बैवै ही। अचाणक उण बगैरणै कांनी देख्यो तो उणनै ऐ सगळा भवन में बड़ता दीख्या। आंनै बड़तां नै देखर आ ई झाड़ू रा फरड़ाटा खतावळ सूं देवण में लागगी। फरड़ाटा देती मांय री मांय बड़बड़ावै ई -

ऐ आयग्या बेटा! जाणै जान मांय आया है। रम्मत घालण वाळा है बापड़ा। नीं, जणै ढोलक, झींझा अर ऐड़ा पूर-पल्ला क्यूं पैरै? ठालो-भूलो सरपंच तो कैवतो कै साक्षरता वाळा आसी। आ साक्षरता कांई ठाह कांई बलाय है? म्हारै मगज में नीं बैठे। म्हनै तो यूं लागै कै आ कोई आज -काल री कोई नवी रम्मत है। बापड़ा कितरा सोरा है! खाक में झोळियो घात्यो'र हाल म्हारा भाई। नीं जणै देख बैरण रै एक खाक में, एक मो'रां माथै,

एक खंधोळियै अर एक हाथ झाल'र साथै दुरै-अभागिया। सारै मारग रोवता काळजो खावै। निधणीको धणी ई आगोतर रो कांई आंटो है। घणो ई कैय दियो कै टाबर बंद होवण वाळो इलाज आपां ई करायलां पण बैरी कान पूंजाळ ई नीं करै। करै ई कीकर? ग्यानी जको ठैरियो। कैवै कै जिकै रै टाबर बंद होवण रो इलाज करायोड़ो होवै उणरै हाथ रो दान-पुत्र ऊगै कोनी। मा-बाप नै उणरै हाथ री अंजळी नीं मिलै। भगवान उणरै हाथ रो भोग नीं लैवै।

ऐ माई सुण तो! उणां मांय सूं एक लुगाई हेलो करती पूछण लागी-

गांव वाळा अर सरपंच साहब नीं दीखै, कांई बात है?

माई ! सबद सुणतां ई फूली नै भरणाटो आयग्यो। उवा बोली -

बाई, तनै हूं माई लागूं! म्हारी एक ई माथै री लटी धोळी निगै आवै! नीं, तो पछै हूं माई कीकर



# GINI FABRICS

A House of Complete Home Furnishing

B-707, Shaurya Apartment, Sector-62 Noida, U.P.

**Aarti Kochar**  
M.: 9350025942

Varsha Nahata-M.:9595754709

173, Sec.-6, near Police Thana,  
Vidhyadhar Nagar, JAIPUR

“ ओ मास्टर किसो छैलो कम है, उठै कितरा रंग देखण नै मिलै बता? स्कूल में टाबरियां सूं माथो लगावणो पण तळाई माथै पणिहारियां रो झुलरो भलाई नीं है पण कुंडा उखणती केई मृगनैणियां रा मटका खिंडता अठै देखण नै मिलै।....अरे नीं रै मास्टर किसो सोरो है? बापड़ो लू सूं पुटबड़ा छोलावतो उठै जावै अर रावड़ियां सूं आंख्यां मसळावतो पाछो आवै।

होई? पण तनै दोष नीं है। गरीब रै जवानी तोटै अर बूढापा दो होवै। कोई बात नीं। सरपंचजी क्यूं नीं आया? इण बात -बूत री लाडी थे जाणो। म्हारो राम तो काम सूं राजी। म्हनै पारकी पंचायती लवलेस नीं सुहावै। जितरै बिचाळै ई दूसरी लुगाई बोली-

तनै ठाह है अठै आखर धाम कितरा चालै?  
आ सुणतां ई आ चमकती बोली -

आखर धाम! ऐ भळै कांई होवै? बाई अठै तो धोळो -धोळो सगळोई दूध है। तूं कैवै कितरा धाम चालै? कांई माथो चालै, दावै ज्यूं ई धाको हालै।

-नीं -नीं म्हारै कैवण रो मतलब है कै अठै साक्षरता कितरै घरां में चालै? दूजोड़ी लुगाई सावळसर खराय पूछ्यो जणै आ बोली कै-बाई ! म्हें तो अठै कोई साक्षरता-वाक्षरता नीं देखी। आज थे सगळाई ऐ बातां करो जद म्हनै ई ठाह लागो है कै गांव मांय कोई नवो चूळो होयो है। लारलै बरस ई अठै कोई ऐडो ई चूळो चाल्यो अर उणमें ही बापड़ै भगै री छोरी मास्टर रै साथै नाठगी ही। कोढियो खुद ई गयो अर जावतो बापड़ा भगै रै धोळां में धूड़ नखायग्यो। कितरी अजोगती बात है? तूं ई बता तूं ई समझणी लागै। फूली भळै कीं कैवती जितरै हाको होयो -

सरपंच आयग्या, सरपंच आयग्या। कूणै खचूणै लागोड़ी जाजमां उठगी। सगला पंचायत भवन रै बीचोबीच गांधीजी री मूरत आगै बैठण लगा। सरपंच साहब माइक संभाळियो -

भायां! आज आपांरो सौभाग ई गिणो कै गांव सूं साक्षरता री गंगा शुरू करण सारू साक्षरता जिला प्रभारीजी अठै पधारिया है। साथै आं रा जोड़ायत लाडला टाबरिया ई है। बियां ई आपांरो गांव भणाई में आगीवाण है, आपांरै चौखळा में सगळां सूं पैला पांचवीं री पौसाळ खुली। फलाणजी आपरो झूपड़ो पौसाळ खातर दियो। जितरै मांयां फुसफुसाट होई कै -हां फलाणजी वाळै झूपड़ै में ई गांव रा केई गैलसफा डोडा अर चाय सीख्या।म्हें अर फलाणो ई उठै ई पाटी भांग'र निकळ्या जको पाछो झूपड़ै कांनी मुंडो ई नीं कियो। मन फाटग्यो जाणै कुत्ती रो कादै सूं फाटै। जितरै बिचै ई कोई बोल्यो-

थे तो छट्टी रा बिगड़योड़ा हो पण बापड़ै आं टींगरां रै आडा भिंटोरा क्यूं चिणो। आंनै तो आखरां रा दरसण करण दो।

हां भाई! तूं ई ग्यान बगारले। तनै किसी अठै रोक है। भरी सभा में बीड़ी रै धूवै रा ऐ गोट काढै, ऐ तूं ई झूपड़ै सूं टोटा चुग -चुगर ई तो काढणा सीख्यो। बाकी थारो बाप बापड़ो फलाणो काको तो नसां सूं सौ कोस आंतरै रह्यो। किणी भळै फुसफुसाट कियो तो जितरै कोई दूजो बोल्यो कै

-अरे! थे ई सरपंच नै आ क्यूं नीं कैवो कै पांचवीं री स्कूल सगळां सूं पैला आपांरै अठै खुली तो ही पण अजै ई साईजम पड़ी है। पाखती रै गांमां में देखो, स्कूलां कठै सूं कठै पूगी है। ओ तो बापड़ो मास्टर इज भलो मिनख है। जको किणी नै फैल नीं करै। इणरै भलाई कोई घेटिया चरावो कै

Gouri Shankar Rathi

Saroj Rathi

Amit Kumar Rathi

**AMIT TREXIM PRIVATE LIMITED**

2A, Suvarnlok, 34, Malony Road, T. Nagar, Chennai, Tamilnadu, Bharat-600017  
Tel:044-24337156, Call : +91 9620232579 Email : amitkumarr@gmail.com

Farm House & residence : "Brindavan", 3/285, V.V. Subramaniam Salai, Nainar Kuppam, Uthandi, Chennai, Tamil Nadu  
Bharat-600119, Tel : 044-24530755 Call : +91 9840009451, 9962235571, Email : gourishankarrathi@gmail.com



बाछड़िया।.... फैल! मास्टर कीकर कर सकै? पढावै जणै का इयां ई! ओ तो कणै ई पाडा नाथै अर कणै ई बळध। पग में चकर है बापड़ै रै। कणै ई थारी ढाणी तो कणै ई म्हारी ढाणी.....डोफां! बोला रैवो नीं आ घाईघुती तो पछै ई कर लिया, सरपंच री ई कीं सुणो नीं। कोई काम री ई बात बतावै।..

सरपंच अर काम री! बता दिया। कोई नवै खाडै में नीं उतार देला। गांम में सौ मिनख मरिया जणै ओ एक जलमियो है। फलाणजी बाजी बापड़ा कैवता कै ओ घणी लुळताई दरसावै जणै जाण लीजो कै कोई न कोई कुड़को है, पण आपां तो झाऊरांडां हां, आपांनै भरी खाली रो ई ठाह नीं लागै। ओ बोलै कीं है अर अरथ कीं बीजो ई निकळै। कोई बोलै हो जितरै माइक सूं आवाज आई ...बोला रैवो बोला रैवो। सरपंच ऊंचो खंखारनै हां तो म्हैं आपनै बतावूं कै आपारै अठै पढ्या -लिख्या चौखळै में बता है। इणी खातर आज साक्षरता प्रभारीजी साक्षरता री जोत अठै सूं जगासी। जितरै भळै कोई बीच में टुणको न्हाख्यो-

क्यूं भाई! अठै क्यूं जोत जगावै ? जोत तो उठै जगावणी चाहीजै जठै अजै अंधारो है।

जितरै कोई बीच में बोल्यो- म्हैं कह्यो नीं कै कोई न कोई भोपो है। अखाड़ो साथै लेय'र आयो है। हे म्हारा पाबू धणी! बेटो सरपंच एक ऊमरो खाली नीं काढै।...भाईड़ा साची कैवै। खाखंबर जोर है। बाघो देख।

जोत कणैक करसी? म्हारै पनिचै रा ई आखा पूछावणा है। दोसायलो है बापड़ो। सत्ता है कारी लाग ई ज्यावै कांईठा? पण ऐड़ा भाग ई कठै है? दीयै जैड़ा भाग होवै तो रातींधो होवै ई क्यूं? हेमजी कैवै हा जितै ई कोई बोल्यो -सुणो रै डोफां, इयां कांई गाडरां दांई गलर-गलर करो। सरपंच बोलै है सुणो नीं। कीं तो सभा में बैठणो सीखो। सरपंच बोलै हो- हां ,तो हमै प्रभारीजी आपरै दोय आखरां सूं आपांनै बडा करै। पाछी कानाफूसी .....भाईड़ां सरपंच तो कमाल करग्यो। म्हैं कह्यो नीं, ओ इयां ई कांटो नीं काढै। सळू साटै भेंस बाढणियो इयां कीकर सेवा करण लागो? कैड़ो तीर मारियो है, प्रभारी रै पाखती बैठो दीसै है! कीकर



ओम अर्हम

M.: 9829541396

**श्रद्धानिष्ठ श्रावक हुलासमलजी पुगलिया**

माणकचंद-मोतीलाल-हीरालाल-पन्नालाल पुगलिया

कालूबास-श्रीडूंगरगढ़

हंस -हंस'र बातां करै? कठै ई सरपंचां रै पंजै में फसगी तो गई भैंस पाणी में। बापड़ा टींगर बैठा रोवो इणरै जीव नै। आ तो गई काम सूं।....भाईड़ां ऐ साक्षरता प्रभारीजी भळै कांई होवै? आपां तो एक ग्राम प्रभारी सूं ई धाप्या पड़्या हां, छोरा रोवै इणरै जीव नै अर ओ छोड स्कूल'र बो ई जा म्हारो भाई उडतै भींट ज्यू गैंग माथै।....मास्टर बापड़ो कांई करै, ओ तो सरकार रो हुकम है, फैमिन माथै नाम इणनै ई लिखणा पड़सी। छोरा पछै है अर फैमिन पैलां है। समझ्यो।....

समझग्यो अरे! थां जैड़ा माडपंच ई तो बिगाड़ै मास्टरां नै। ओ मास्टर किसो छैलो कम है, उठै कितरा रंग देखण नै मिलै बता? स्कूल में टाबरियां सूं माथो लगावणो पण तळाई माथै पणिहारियां रो झुलरो भलांई नीं है पण कूंडा उखणती केई मृगनैणियां रा मटका खिंडता अठै देखण नै मिलै।....अरे नीं रै मास्टर किसो सोरो है? बापड़ो लू सूं पुटबड़ा छोलावतो उठै जावै अर रावड़ियां सूं आंख्यां मसळावतो पाछो आवै। डेढ कोस जावै अर आवै। स्कूल सूनी पड़ी है अर ऐ रोवै कै पूरै इलाकै नै साक्षर करस्यां।.....डोफां साक्षरता प्रभारीजी बोल रैया है, थे नीं सुणण री सोगन लेय'र आया हो तो मत सुणो पण जिका सुणणा चावै उणांनै तो सुणण दो।

प्रभारीजी खंखार'र बोलै हा-हां तो आपां आज गांधीजी रै जलमदिन रै टाणै आखै देश नै पढावण रो प्रण लेवां। कोई भाई-बैन निरक्षर नीं रैवणो चाहीजै। अणपढ मिनख ढोर जैड़ो होवै। उणरी कोई कदर नीं करै। सगळो देश पढसी जणै गांधीजी री आत्मा नै शांति मिलसी। आखो देश

पढै,ओ डोकरै रो सुपनो हो। इणनै पूरो करणो आपांरो काम है। आपरै गांम में च्यार आखरधाम खोल्या है। एक सरपंच साहब री बीनणी रै नाम, एक माटसा री घरवाळी रै नाम, एक ठाकरसा रै पोतरै रै नाम अर एक पटवारीजी रो भाणजो चलासी। अणपढां नै उठै जाय'र आखर सीखणा है। आपां आखर ग्यान ले लियो तो जमारो सुधार लियो। आपरै इण काम सूं डोकरै री मरी आत्मा मुखातर पावैली। आपां आज गांधीजी रै नाम रो हाथ में पाणी लेय आ सोगन लेवां।.....

म्हें कह्यो नीं रे कै हळ रो मूंडो रेत में ई रैसी। आपां अठै फगत माथा गिणावण आया जिको गिणा दिया। हमै क्यूं तावड़ै में तळीजां। अठै आपांनै कुण जाणै?.. म्हें कह्यो नीं कै पोडो पड़ै जठै सूं रेत लेयर ई उठै। सरपंच स्वारथ बिनां पाणी नीं पावै?

सभा खिंडण लागी। लोगबाग आप-आपरै थान-मुकाम गया पण पंचायत भवन में आखी रात तापडर्धीग होवता रैया। कला जत्थो आपरी कलाकारी दरसावतो रैयो। दारुड़ा पिया अर मारुड़ा गाया। मांस रंधियो अर खाईज्यो। दिनूगै गांधीजी री मूरत आगै फैक्योड़ी हाडक्यां माथै काग पड़ै हा अर कुत्ता भूसै हा। दारु री खाली बोतलां सारु आस-पड़ोस रा छोरा लड़ै हा। बारै उणांनै गुलफ्यां बैचण वाळो उडीकै हो। ग्रामसेवकजी किणी बात सारु फूली सूं अळूज्योड़ा हा अर फूली उणांरो मा-बैन री गाळ्यां सूं माण बढाती बकै ही। डोकरै री मूरत चसमै रै भागोड़ै काच मांयकर जावती जीप नै टुकर-टुकर जोवती किणी ऊंडै विचार में जाणै निसकारो न्हाखती अणमणी होयगी।



## राजस्थानी वाणी रै प्रकाशन सारु मोकळी मोकळी बधायां

भैरूंदानजी, लक्ष्मीनारायण, कमलकिशोर, श्रीगोपाल, मालचंद,  
अमरचंद, श्यामसुंदर, नारायणचंद सोनी, कालू बास, श्रीइंगरगढ़

अलीपुरद्वार-जयपुर-दिल्ली



# अस्सी सूं अस्सी मिलियन



● प्रो. जी. एस. राठौड़



हम कम पढ़ी लिखी महिलाएं थी, लेकिन हमारे पास रसोई का हुनर था। इसका इस्तेमाल हमने पैसे कमाने और अपने परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए किया। हमने शुरुआत करते हुए कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी संस्था शुरू करने जा रहे हैं

**जसवंतीबेन जमनादास पोपट**

संस्थापक सदस्य : लिज्जत पापड़

1959 रो आधो मार्च खतम व्हियो जिण टेम लंकाउ मुंबई रा गिरगांम इलाका री सात गुजरातणां अेक इमारत री छत माथै भेली व्हेय'र सोचवा-विचारवा लागी कै धणी नौकरी-धंधा माथै अर बाळक-टाबर स्कूल गयां केड़े सुबै सूं सांझ सूधी वां रै वास्ते करवा नै कंइ खास काम तो रैवै नीं नै मुंबई मांय खर्चा कितरा? पाणी सूं लेय नै सगळी चीजां मोल साटे लेणी पड़ै। नै फेर घर मांय खावावाळा घणा नै कमावणियो अेक। गुजरातणां नै नवरो बैठा रैणो सुंहाय नीं रयो हो।

सो अै सात जणियां 15 मार्च रै दिन तै कीधो अर 80 रुपिया रो उड़द-आटो, हींग अर

काळी मिरचां रो काचो माल जाण-पैचाण रा दुकानदार सूं उधार लाया। इण मसाला नै भेळ्यो अर पापड़ तयार कीधा। नजीक रा अेक दुकानदार नै बेच दीधा। पापड़ां रो लिज्जत (स्वाद) चोखो हो सो पापड़ फटाफट बिक गया। दुकानदार बत्ता मांग्या नै पछै धंधो चाल पड़्यो। पापड़ बिकता गया अर उधारी चुकती गयी। छै दशकां पैलां अस्सी रुपिया मध्यम वर्ग सारू टणकी रकम ही। धीमे-धीमे कारोबार बधतो गयो अर इतरो बध्यो कै सात स्त्रियां री कंपनी आज 45,000 महिलावां सारू रोजी-रोटी रो जरियो बण गयी है। 2018 रा साल मांय इणरी सालीणी कमाई 800 करोड़ पार कर



## Kesar Western Outfits

**श्री किशन कैलाश कुमार तापड़िया (श्री डूंगरगढ़)**

X/34, Pratap Gali, Gandhi Nagar, Delhi-31

M.: 9999091585



लिज्जत पापड़ कंपनी थरपवा वाली सात महिलावां मांय अेक जसवंती बेन पोपट है जिणां नै लिज्जत री संस्थापिका मान्यो जावै है क्यूँकै मूळ विचार वां रो इज हो। पण आ मिलेनियम मार्केट वाली कंपनी किणी अेक मालिक री नीं है बल्कै जो 45 हजार रै अड़ै-गड़ै महिला कर्मचारी इण मांय काम करै है, आ कंपनी वां सगळां री है।

चुकी ही। आ इज कंपनी 'लिज्जत पापड़' है। कल्पनातीत, अद्वितीय क अविश्वसनीय जैड़ा विशेषण इण रै साथै जुड़ सकै।

लिज्जत पापड़ री आज घर-घर ओळख बण चुकी है। हरेक घर मांय लिज्जत पापड़ री हाजरी जीमण नै लिज्जत बख्श रया है। ऊंची क्वालिटी अर जबरदस्त टेस्ट लिज्जत पापड़ री खास पैचाण बण चुकी है। टेलिविजन माथै लिज्जत पापड़ रै विज्ञापन 'लिज्जत पापड़ हो हर बार' रै साथै गुणगुणावा रो मन करै।

लिज्जत पापड़ कंपनी थरपवा वाली सात महिलावां मांय अेक जसवंती बेन पोपट है जिणां नै लिज्जत री संस्थापिका मान्यो जावै है क्यूँकै मूळ विचार वां रो इज हो। पण आ मिलेनियम मार्केट वाली कंपनी किणी अेक मालिक री नीं है बल्कै जो 45 हजार रै अड़ै-गड़ै महिला कर्मचारी इण मांय काम करै है, आ कंपनी वां सगळां री है। ओ अेक सहकारी संगठन है। कंपनी रो पूरो नांव है: 'श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़'।

लिज्जत पापड़ आज भारत रा 17 प्रदेशां मांय 82 ब्रांड राखै। कोरा भारत मांय इज लिज्जतदार पापड़ री मांग व्हे, अड़ो नीं है, विदेशां मांय ई जबरी मांग री वजै सूं 80 करोड़ रो निकास बजार मौजूद

है। गिरगांम मुंबई उणरो हेड क्वार्टर है।

कंपनी रो खास मकसद है कै गरीब महळियां रोजगार सूं वंचित नीं रैवै। घर री अेकाअेक लुगाई बारणै काम करवा जावै तो पछै घर कुण संभाळै? इण बात नै ध्यान मांय राखतां थकां लिज्जत सांतरी वैवस्था कर राखी है। खाली मुंबई री इज बात करां तो लिज्जत मांय काम करवा वाली बैडरियां नै सुबै कंपनी री बस लेवा आवै। महळियां कंपनी जाय अर सगळियां नै पापड़ बंटवा सारू गूंध्यो थको आटो तोलीज नै देवाय। पछै अै महिलावां पाछी कंपनी री बस सूं घरै पूगै नै पापड़ बंटै। दूजे दिन पाछी कंपनी जाय'र बंट्या थका पापड़ जमा कराय नै टोकन हासिल करै। इण टोकन सूं भुगतान बारी माथै इणां नै कालै वाला काम री रकम रो चुकारो व्हे जाय। पछै कलेक्शन बारी सूं पाछो नवा पापड़ां सारू गूंध्यो थको आटो लीधां केड़े बस पाछी घरै पुगाय देवै। है नीं ओ अजब-गजब रो इंतजाम?

लिज्जत पापड़ री चावाई उणरा विशिष्ट स्वाद री बदौलत है। अेक जैड़ी स्वादिष्टता इणरी खास पैचाण है। पापड़ री क्वालिटी बाबत कंपनी किणी ई तरै री छेड़छाड़ कबूल नीं करै। पापड़ तयार करवा सारू काचो माल घणी सांवठी छाणबीण पछै लेवा मांय आवै। पापड़ बणावा सारू खास मसाला री



हार्दिक मंगलकामनावां

**निर्मल भादानी**

M.: 9312271744, 9711471744



**SHRI JATAN POLYMERS**

Deals in : Reprocessed Granules & All Type of Scrap

N-131, Sector-1, Bawana Industrial Area, Bawana, Delh-110039



हींग तो अफ़ग़ानिस्तान सून इज मंगाई जावै।

भारत री हरेक ब्रांच माथै महिलावां री अेक खास टीम मौजूद है जो मन पड़ै जद काम करती औरतां रो औचक निरीक्षण कर'र वां री आंगळियां चैक करै। यूं साफ-सफाई बाबत ई कोई समझोतो नीं चालै। बंट्या थका पापड़ जद काउंटर माथै जमा व्हे, वदी ई वणां री चैकिंग व्हे। पापड़ बणावा सारू उड़द-दाळ रा आटा मांय मसाला भेळ नै गूंधवा रो काम ई कंपनी मांय इज मुकम्मल व्हे जिण मांय स्वाद सून लेय नै गुणवत्ता साथै घटत-बढ़त बरदाश्त नीं।

ओ जिक्र पैलां पण व्हे चुक्यो है कै लिज्जत अेक सहकारी संगठन है। इण वास्ते कोई खास आदमी इण रो मालिक नीं। कंपनी मांय काम करवा वाली सगळी औरतां री इण मांय भागीदारी है। मुंबई रा मुख्य हेड क्वार्टर मांय 21 महिलावां री अेक कमेटी है जो सैंग कारोबार नै संभाळै है। अै महिलावां ई कोई हाइ प्रोफाइल पृष्ठभूमि वाली व्हे, अैडो नीं है। कंपनी मांय बरसां सून काम कीधो व्हे अर सूझबूझ थोड़ी जबरी व्हे, अैड़ी महिलावां कंपनी मांय ठौड़ बणाय सकै। अठै भणी-पढी है तो अपढ पण है। यां मांय सून अमुक महिला कंपनी री प्रेसिडेंट क वाइस प्रेसिडेंट ओहदा सूधी ई पूग सकै।

जसवंती बेन समेत सात महिलावां जद लिज्जत पापड़ री शुरुआत कीधी ही तद सून ई उणां रो उद्देश्य शैरां रा गरीब परिवारां री महिलावां नै रोजगार देवणो रयो। जिण स्त्रियां कनै शिक्षण नीं, घणी



(A part of Somani Family)

**Prestige Group Congo (PGC)** is a successful retailer and wholesaler of Construction, Agriculture and Household goods with over 60+ stores in kinshasa and Angola.



लिज्जत पापड़ री फाउंडर जसवंती बेन री जिंदगी आज री पीढी सारु चिन्तनजोगी अर प्रेरणादायक है। आज ई दानी-बूढी 91-साला जसवंती बेन साढी चार बज्यां उठ नै नितनेम सूं निवड्यां पछै साढी पांच बज्यां काम माथै लाग जावै। अबार-अबार जसवंती बेन नै 2021 रा पद्मश्री सूं नवाज्यो गयो है।

आमदनी नीं नै वणां नै काम मिलै अर वो ई घरबैठां तो? लिज्जत री आ पैल महिला सशक्तिकरण रो लूँतो जमीनी दृष्टान्त गिणीजणो चाइजै। अठै काम करवा वाळी महिलावां आज दिन रा चार सौ-पांच सौ रुपिया तो कमाय इज लेवै। यां रुपिया सूं घर-गिरस्ती रो सामान मोलाइजै, छोरा-छोरियां री फीस भरीजै, लूण-तेल लेवीजै नै घर-संसार चोखो चालै।

यो जाण'र अचरज व्है पण आ हकीकत है कै अठै काम करवा वाळी कोई-कोई महिला आपरी बचत सूं आपरी संतानां नै अम्स अर आइआइटी जैड़ी संस्थावां मांय भणायी है।

लिज्जत पापड़ री फाउंडर जसवंती बेन री जिंदगी आज री पीढी सारु चिन्तनजोगी अर प्रेरणादायक है। आज ई दानी-बूढी 91-साला जसवंती बेन साढी चार बज्यां उठ नै नितनेम सूं निवड्यां पछै साढी पांच बज्यां काम माथै लाग जावै। अबार-अबार जसवंती बेन नै 2021 रा पद्मश्री सूं नवाज्यो गयो है।

लिज्जत पापड़ सूं न्हैना-न्हैना घरां मांय रैवावाळी गरीब घर री स्त्रियां नै रोजगार मिलतो देखनै जसवंती बेन अन्तर्मन सूं घणी आनंदित व्हैय नै कैवै, महिलावां नै पोते री शक्ति बणती देख नै म्हनै लागै कै म्हारो जीवन सफल व्है गयो। म्हूं मैसूस करूं कै म्हारा हरेक प्रयत्न रो फळ परमात्मा बख्शाय दीधो है।



लिज्जत री कमाई अबानू मिलियन डॉलर री है। कम्पनी चावै तो हाइटेक मशीनां लगवाय सकै; अेक दाण खरचो कर लेवै तो पापड़ तो आपोआप यांत्रिक तरीका सूं फटाफट बणवा लाग जावेला अर कामगारां री जरूरत नीं रैवैला। पण नीं! तो पछै इण 45,000 गृहिणियां रो कंड व्हैला? याद रैवै: मानव-श्रम सूं चालै जितरै लिज्जत कारखानो है, काळखानो नीं।



www.inlandpower.in | +91 33 40219000

India's upcoming  
power company  
with operations in  
thermal power sector.

# कांदा री करामात



शंकरसिंह राजपुरोहित

साग ई क्यूं कडी, रायतौ, झोळियौ कीं बणावौ, कांदा महाराज नैं  
तो पैली पूछणौ पड़ै। बींद मरौ चायै बीनणी, बामण रौ टक्कौ त्यार।  
कांदै री बघार बिना तो साग रौ कोई स्वाद बैठै इज कोनी। चटणी  
सागै ई कांदौ इज ओपै अर औ इज गरीब-गुरबां री लाज लोपै।

सतरंज री बिसात माथै जकी आब बादस्या  
अर बजीर री होवै वा इज आब रसोई री छाब में  
कांदा अर आलू री होवै। पण लोक में कैवत है कै  
'ज्यांरा मरग्या बादस्या, रुळता फिरै बजीर।'।  
कणै-कणैई बजार री बिसात पर तो कांदा  
बिछ्योड़ा लाधै, पण घर री रसोई में आं खातर  
तीया री बैठक राखणी पड़ै। चुणाव सूं पैलां अै ई  
मतदाता री भांत भाव खावण लाग जावै अर सत्ता  
री भागदीरी में आपरी दावेदारी जतावण लाग  
जावै। चुणाव री टैम राजनीति रा रसिया  
कार्यकरता तो पंदरै-पंदरै दिन घर साम्हीं मूंडौ ई  
कोनी करै। पण रसोई में जे कांदौ नीं पूगै तो सगळै  
स्वाद रौ मठ मर जावै। बींद बिना बरातियां नैं कुण  
पूछै? रसोई रै राजा (कांदा) बिना तो बापड़ा



आलूड़ां री पूछ ई कम होयगी है। धणी बिना घर  
सूनौ अर कांदा बिना रसोई सूनी। पण धणी ई मूंडौ  
सुजायनै बैठ जावै तो उणनैं मनावण री हिम्मत कुण  
करै! धणी रौ धणी कुण!

पण कांदा बापजी नैं मनायां बिना तो किणी  
रौ काम नीं चालै। खेतां में खाटीजता करसां रै  
दोपारां रौ भातो इणरै बिना अलूणौ। सरसूं रौ साग



(A part of Inland Group)

Inland's first multi-brand retail venture  
with significant presence in  
Rural India. We exist to simplify  
buying experiences for consumers.





अर मक्की रौ सोगरौ कितौ ई स्वाद होवौ, पण कांदै री ठौड़ तो कांदौ इज काम आवै। इणरै बिनां तो कोई साग-पात सलूणौ नीं बणै। साग ई क्यूं खडी, रायतौ, झोलियौ कीं बणावौ, कांदा महाराज नैं तो पैली पूछणौ पड़ै। बींद मरौ चायै बीनणी, बामण रौ टक्कौ त्यार। कांदै री बघार बिना तो साग रौ कोई स्वाद बैठै इज कोनी। चटणी सागै ई कांदौ इज ओपै अर औ इज गरीब-गुरबां री लाज लोपै।

कणै-कणैई कांदा तो राता-माता होवै, पण आंनै मोलावणिया मिनख मांदा पड़ जावै। भारत रा रुपियां री तो छोडौ, अेक किलौ कांदा मोलावण सारू अमरीका रौ डॉलर ई आपरा हाथ खड़ा कर देवै। चुणाव री बगत इण कांदै नैं लेयनै दिल्ली-जयपुर में ई रोळौ माच जावै। केई राजनीतिक दळां रै साथै आप जैड़ा संगठण ई उण बगत तो आपणा माई-बाप बण जावै। आं दळां रा पाखरिया बजार में आप-आपरी दुकनदारी लगायनै कंट्रोल रै डिपू री भांत जनता नैं सस्ता कांदा देवण रौ नेगचार निभावै। बियां वारौ औ धंधौ ई माडौ कोनी, क्यूंकै चुणाव में जमानत जब्त होयां पछै केई उम्मीदवारां

नैं तौ आलू-कांदा ई बेचणा है। इण वास्तै आं रौ औ पूर्वाभ्यास अेळौ नीं जावै।

म्हारै अेक बात समझ में कोनी आवै कै अे कांदा चुणाव सूं ठीक पैलां इज मूंघा क्यूं होवै। सत्ताधारी दळ इणनैं विपक्षी दळां री चाल बतावै, तो केई माल कम होवण री बात कैवै। इण चाल अर माल रै चक्कर में खाल तो बापड़ी जनता री ऊतरै। पण पछै कांदां रै कारण कायी होयनै खाल उतर्योड़ी जनता राज करणियां नैं कुरसी सूं उतार देवै। बजार में चीजां तो और ई घणी है, पण आयै गेड़ अे कांदा इज आं नेतावां रै जीव रौ जंजाळ क्यूं बणै? अेकर तो अे कांदा देस री सत्ता रा तख्ता पलट कर दिया। इण बात माथै राजस्थानी रौ अेक दूहौ ई ठीक याद आयग्यौ :

**हाथां करिया कामड़ा, किणनैं दीजै दोस।**

**खोजीजी री पालड़ी, कांदै लीनी खोस॥**

औ दूहौ म्हारै गोडां घड्योड़ौ कोनी। इण दोहै सूं मारवाड़ री अेक सत्यकथा जुड्योड़ी है। मारवाड़ रियासत रो पालड़ी नांव रौ गांव अेक खोजीजी महाराज नैं महाराजा री तरफ सूं जागीर में मिल्योड़ौ

**Inland Somani Foundation**

**Inland Group's charitable institution partnering with the Government of India in several humanitarian initiatives.**





हो। उण गांव में मोटा-मोटा कांदा होवता। अक कांदौ दो-ढाई किलै रौ। राजदरबार सू इनाम पावण रै चक्कर में अक टणकौ कांदौ टाळनै खोजीजी महाराजा नैं भेंट करण सारू राजदरबार में जाय पूग्या। महाराजा उण कांदा नैं देखनै इचरज में पड़ग्या। बोल्या, “अरे, इतौ मोटौ कांदौ! आपणै मारवाड़ में औ कठै होवै भई?”

खोजीजी बोल्या, “आपरै इनायत कयोंडै म्हारै पालड़ी गांव में होवै है अन्नदाता!”

महाराजा तुरंत आदेस फरमायौ, “गांव खालसै (खाली) करौ! बठै तो अबै रावळा री (म्हारी) कांदाबाड़ी लागसी।”

अन्नदाता रौ हुकम सुणनै खोजीजी रा तौ तोता उडग्या। राम-राम गळै पड़ग्या। बैठ्या-सूत्यां गिरै मोल लेयली। तद कनै खड्या कविराज ऊपरलौ दूहौ बणाय लियौ।

कांदा नैं लेयनै अक किस्सौ चूरू रौ भळै है। रियासतकल मांय चूरू री सींव रा रुखाळा कमधज (सैनिक) तो कांदा-रोटी खायनै काम चलावता

अर रावळै में चापलूसी करणिया चाकर घी रौ गचागच चूरमौ चेपता। मौकौ देखनै पाड़ौसी ठाकर चढ आयौ अर ढोलां रै ढमकै चूरू माथै आपरौ कब्जौ कर लियौ। इण बाबत जनकंठां में औ दूहौ चावौ है :

**कांदा खाया कमधजां, घी खायौ गोलांह।**

**चूरू चाली ठाकरां, बाजंतै ढोलांह।**

म्हारै कैवण रौ मतलब औ कै कांदौ तो गांव ई नीं राज रा राज खोस लिया। कैवै कै पोकरण परमाणु परीक्षण में कांदां री बेजा खपत होयी। कांदां रै कारण पैली गांव रा गांव खाली होया अर पछै सत्ता रा ई सूपड़ा साफ होयग्या। इण वास्तै कुरस्यां माथै जम्योड़ौ रैवणौ है तो रुर्योड़ा ‘कांदा बापजी’ नैं मनावौ। चुणावी स्टंट री दुकानां लगायनै जे दो-चार महीनां खातर आं नैं सस्ता कर दिया तो अै फेरुं भडक जावैला। पछै कीं हाथ नीं आवैला। कुत्ता ई खीर नीं खावैला। पण कांदां री ठौड़ कांदा इज काम आवैला। काम नीं आवैला तो अै बापड़ा किसै बिल में बड़ैला। कांदां नैं तौ कटणौ इज पड़ैला।



**Gemcorp Recycling & Technologies Pvt. Ltd.**

(100% subsidiary of Gemini Corporation N.V., Belgium)



**Navi Mumbai, Ahmedabad, Bengaluru, Kolkata, Chennai and Hyderabad**

*Welcomes You*

**careers@gemcorporecycling.com**

# दरद न

## आलेख

# जाणै कोय



• डॉ. मंगत बादल

खबरां  
में जिकै

पसुआं नैं अवारा बताया जावै  
काई बै सांच में अवारा हुवै ? गांवां अर  
सहैरां में मुख रूप सूं गाय, कुत्ता, सूअर अर  
गधेड़ा खुला फिरता दीखै। सूअरां अर गधेड़ां नैं  
तो सुबै-आथण उणां रा मालक संभाळ भी लेवै  
पण बडी समस्या तो गाय अर कुत्तां री है।  
इणां सूं जद किणी नैं कोई फायदो  
कोनी पूगै तो आं रो  
मालिक बगै भी कुण ?



(A part of Somani Family)

Leading retailer for premium  
fashion clothing in D.R.Congo with  
10+ stores & 9 brands.





आजादी पछै भौतिक दीठ सूं आपणै देस चोखी तरक्की करली पण नैतिकता रै स्तर पर देखां तो काफी गिरावट आई है। कदै अनाज दूसरै देसां सूं मंगवाय'र जरूरत पूरी करणियो देस आज अनाज रै निर्यात में सच्छम है। 'हरित क्रांति' कर'र अनाज रो उत्पादन तो बधा दियो पण कैड़ी कीमत पर। ओ विचारणीय विषय है। उन्नत देसां रै देखादेखी आपां भी रासायनिक खाद अर कीटनासकां रो अंधाधुंध प्रयोग कयों, जिण सूं अेकर उत्पादन तो बध्यो पण उण रा बुरा नतीजा भी सांमी आवण लागग्या। जमीन री उपजाणै री तागत लगोलग घटती जावै। कीटनासकां रै प्रयोग में नासमझी रै कारण मित्र-कीड़ां री प्रजातियां भी खतम हुयगी या होवणाळी है। पैली खेतां में लूंकड़ी, गादड़ा, सुसिया, सांडा, बिज्रू, मरुथळी-छिपकली, सोनचिड़ी, कागडोड, सिकरा, बाज, चील, गिद्ध घणा ई दीस्या करता पण आज कठै गया ? अै जीव भी आपणै पर्यावरण रा जरूरी अंग हा। आं रै नीं होवणै सूं पर्यावरण नै जिको घाटो हुयो है अर होण लागर्यो है उण रो हिसाब करणो

घणो दौरा है।

आपणै देस में योजनावां बणावणियां पच्छम री कृषि तकनीक अपणावणै पर जोर दियो। इण कारण आज कृषि जंत्रां पर आधारित होगी। ऊंट, बळद आद पसु जिका कदै आपणी कृषि अर अर्थतंत्र री धुरी हा, हासियै पर आयग्या। आपणै अठै कदैई बछड़ियो ल्यावण वाळी गाय नैं इज्रत री नजर सूं देख्या करता पण अब बछड़िया बेकार होग्या। इणी'ज भांत खेती रै कामां में ऊंट री भूमिका घटगी। वै अब 'शो पीस' बणग्या अर पर्यटकां री सवारी तांई काम आवै। आज तो छोटा-छोटा किरसा भी जंत्रां सूं खेती करवावै। इण भांत करणै सूं खेती री लागत बधगी अर बचत घटगी। किरसो गरीब होण लागग्यो अर गांवां में बेकारी बधण लागगी। आज ऊंट जैड़ी नसल पर भी अस्तित्व रो खतरो मंडरावण लागर्यो है। आज गांव में दो-च्यार ऊंट मिल ज्यावै तो गनीमत समझो। रैयी बळद री बात, उण रो खर्च संभाळणो भी किरसै तांई मुस्कल पड़ै। जिका पसु किरसै रै घर री शान होंवता उणां सूं आज किरसो क्यूं



**THE GOPALPUR  
TEA COMPANY**

(A part of Inland Group)

**Bringing India the unique aromas  
and flavours of Dooars Region in  
a refreshing tea cup.**



इन्नै-बिन्नै बेकार भटकण  
वाळा अर कुमार्ग पर  
चालणियां नैं अवारा कैयो  
जावैं। बिच्चारा पसु तो  
भोजन री तलास में इन्नै-  
बिन्नै मार्या-मार्या भटकता  
फिरै। कांई आं नैं अवारा  
कैया जावैं ?

कतरावै ? किरसै रो आर्थिक आधार डगमगावण  
लागयो है। गांवां में लगोलग बेकारी बधती जावै।  
गांवां में अब उद्योग-धंधा कोनी रैया। गांव, जिका  
कदै आर्थिक रूप सूं सच्छम हा अर पूरी आर्थिक  
इकाई हा, आज दूसरां रो मूंडो तकावै।

अखबारां में कदै कदास अवारा पसुआं मुजब  
कोई खबर भणणै तांई मिल ज्यावै। इण कानी ना  
तो खबर छापण वाळां रो खास ध्यान ज्यावै अर ना  
ई भणण वाळां अर प्रशासन रो। खबरां री भीड़ में  
आ खबर भी गम ज्यावै। खबरां में जिकै पसुआं नैं  
अवारा बताया जावै कांई बै सांच में अवारा हुवै ?  
गांवां अर स्हरां में मुख रूप सूं गाय, कुत्ता, सूअर  
अर गधेड़ा खुला फिरता दीखै। सूअरां अर गधेड़ां नैं  
तो सुबै-आथण उणां रा मालक संभाळ भी लेवै पण  
बडी समस्या तो गाय अर कुत्तां री है। इणां सूं जद  
किणी नैं कोई फायदो कोनी पूगै तो आं रो मालिक  
बणै भी कुण ? इन्नै-बिन्नै बेकार भटकण वाळा अर  
कुमार्ग पर चालणियां नैं अवारा कैयो जावै।  
बिच्चारा पसु तो भोजन री तलास में इन्नै-बिन्नै  
मार्या-मार्या भटकता फिरै। कांई आं नैं अवारा

कैया जावै ?

छोटै स्हरां अर कस्बां में आमतौर पर  
सफाई कर्मचारी सूअर पाळै। बै आप-आपरै  
सूअरां रै सरीर पर कोई निसाणी बणा'र उणां नैं  
गळियां में खुला चरणै तांई छोडद्यै। दिनुगै अर  
आथण उणां नैं कीं खाणै तांई अेक खास जगा पर  
ले जा'र गेरद्यै। साथै ई आपरै पसुआं री गिणती  
भी कर लेवै। अै सूअर गळियां में गंदगी अर बीमारी  
फैलांवता फिरबो करै। नगर प्रशासन जद तांई इण  
सफाई कर्मचारियां नैं कोई चेतावनी कोनी देवै, अै  
सूअर इणी'ज भांत गळियां में फिरता रैवै। अै  
सूअर सफाई कर्मचारियां नैं तो लाभ पुगावै पण  
जन-स्वास्थ्य नैं नुकसाण ई पुगावै। कांई इणां रो  
मांस खाणै रै लायक हुवै ? जठै तांई म्हूं देख्यो है  
आं कस्बां अर छोटै स्हरां में आं सूअरां री डागदरी  
जांच री जहमत भी कोई मोल कोनी लेवै। भुगतो  
आं रो मांस खावणियां। अब आ बात आपणै  
समझणै जोग है कै अै सूअर असल में अवारा है या  
आपरै उण मालकां री क्रूरता रा सिकार है जिका  
इणां सूं फायदो उठावै ? बिच्चारा भूखा जानवर



(A part of Inland Group)

**OEM manufacturer for  
Hindustan Coca Cola Beverages Pvt Ltd.**



तो इन्नै-बिन्नै मूंडो मारैगा ई। केई बर अँ जानवर  
लोगां नँ काट भी लेवै या किणी वाहन रै आगै  
आय'र दुर्घटना रा कारण भी बण ज्यावै उण बगत  
इणां रै मालक रो बेरो ई कोनी पड़ै। बै साफ बच  
ज्यावै। अँड़ी बात भी कोनी कै इण मुजब कोई  
कानून नीं हुवै पण कानून लागू करणै अर करवाणै  
ताई तगड़ी इच्छा सगती चायजै जिण रो अभाव  
है।

इण भांत रहैरां में बोझ ढोणै रो काम  
करण्यां लोग गधा भी राखै। बै खाली बगत में  
आंनै खुला छोड्यै। इण सूं भी कई बर भयानक  
दुर्घटनावां हुयी है पण असल समस्या कुत्तां अर  
गायां री है। गाय बियां तो पालतू पसु है पण दूध नीं  
देणै री हालात में या बूढी होणै पर लोग इणनै भूखी  
मरणै ताई खुली छोड्यै। आपां नँ कठैई भैंस, भेड़  
या बकरियां अवारा फिरती कोनी दीसै क्युंके  
आंनै लोग कसाइयां नँ बेच्यै। गाय नँ कोनी बेचै  
क्युंके उण में धरम आडो आवै। खुद नँ हिंदू  
कैवण्यां सारी उमर गाय रो दूध पी'र उणनै भूखी  
अर तिरसी मरणै ताई खुली छोड सकै पण कसाई  
नँ कोनी बेच सकै क्युं कै उण रो धरम इजाजत

कोनी देवै। स्यात घर सूं काढणो पाप कोनी। भूखी,  
तिरसी मरती तिल-तिल मौत कानी बधती, लोगां  
सूं डंडा अर गाळां खांवती गाय, उणां नँ स्यात उणां  
री उदारता ताई दुआ देती हुवैली ? वाह, भाई वाह  
! काई कैवणो आपरी धारमिकता रो !

आज मिनख सामाजिक अर दूजै दायित्वां  
सूं मूंडो मोड़'र इकलखोरड़ो अर स्वारथी होंतो  
जावै। खुद अर खुद री उलाद ताई ही उण रो दायरो  
रैयग्यो। खुद रै मां-बाप नँ भी लोग आपरै साथै  
राखणै सूं कतरावै। श्रवण कुमार अर राम रै देस में  
वृद्ध आस्रमां रो खुलणो किण बात कानी इसारो  
करै ? मां-बाप रै बूढा होणै पर उणां सूं अळगो  
रैवण लागणो या वृद्ध आश्रम में भेजण वाळां सूं आ  
अपेक्षा किण भांत करी जा सकै कै बै बूढे पसु री  
सेवा करैला ? बियां वैग्यानिक सोधां सूं आ बात  
सिद्ध होगी कै गाय रो गोबर अर मूत्र इतरो कीमती  
हुवै कै उण सूं गाय री रोज री खुराक मोल ली जा  
सकै। फेर उण नँ बेकार किण भांत कै सकां। सिर्फ  
दूध ई तो कोनी देवै। पच्छम रा समाज स्यास्तरि  
अब आ बात मै'सूस करै कै बच्चै रै व्यक्तित्व रै  
निर्माण में सिर्फ मां-बाप रो ई नई दादै-दादी रो भी  
पूरो योगदान हुवै। बच्चै में परिवार री भावना जद ई



(A part of Somani Family)

**GARS (SARL) is a leading retailer  
for Mobile phones & electronics  
in D.R.Congo with over 25 stores.**





आपणै अठै कुत्ता पालणै रो रिवाज विदेसां सूं कम है। जिका लोग पाळै बै भी उणां रो ठीक ढंग सूं रख-रखाव कोनी करै। लोग पुन्न कमावणै तांई गळी-मुहल्लां रै अवारा कुत्तां नैं रोटी गेरै। अै कुत्ता रैबीज जैड़ी भयानक बीमारी फैलावणै रा कारण बणै। सोचणै री बात है कै अै कुत्ता अवारा क्यूं हुया ? असल में कुत्तो जंगली प्राणी हो पण हजारुं बरसां सूं मिनख रै साथै रेंवता-रेंवता पालतू होग्यो अर अब बो मिनख समाज सूं पूरी तरां हिलमिलग्यो। अब बापड़ो कुत्तो मिनखां नैं छोड'र कठै जावै ? जहर देय'र मारणो तो और भी गलत अर अमानवीय है।

आवैली जद बो भयै-पूरै परिवार में रैवैलो। जिको कीं देखैलो बो ई तो सीखैलो।

कई समझदार अर संवेदनशील लोग आपरी गउआं नैं गऊसाळा में घालद्यै। आमतौर पर देख्यो गयो है कै गांवाळा लोग ट्रैक्टर री ट्राली में गउआं नैं चढा'र सहरै रै कनै छोड ज्यावै क्युंके गांव में तो लोग अेक-दूजै रै पसुआं नैं पिछाण लेवै अर बांधणै तांई मजबूर करद्यै। बै समझै कै सहरै में पसुआं नैं इण भांत छोडणै सूं समस्या हल होगी। बिच्यारो अणबोल पसु ! कांई बतावै ? उणरै सांमी जिको कीं आवै बो पेट भरणै तांई खा लेवै। कई बर लोग लापरवाई सूं कीटनासकां रा डब्बा फेंक देवै। भूखी मरती गउआं आंनै खा'र मर ज्यावै तो मौकापरस्त लोग इणनै सांप्रदायिकता री हवा देय'र फायदो उठाणै री कोसीस करै। असलियत तो आ है कै अगर अै लोग गाय रो भलो करणियां हुवै तो उणां नैं भटकण क्युं देवै ? पोलीथिन री थैलियां भी गायां री मौत सिद्ध होई है। पूरी उम्र आपरै मालिक नैं दूध

प्यावणाळी गाय जद आपरै उणी मालिक री संवेदनहीनता री सिकार हो ज्यावै तो बा कैवै भी किण नैं ? सुणैलो भी कुण ?

आपणै अठै कुत्ता पालणै रो रिवाज विदेसां सूं कम है। जिका लोग पाळै बै भी उणां रो ठीक ढंग सूं रख-रखाव कोनी करै। लोग पुन्न कमावणै तांई गळी-मुहल्लां रै अवारा कुत्तां नैं रोटी गेरै। अै कुत्ता रैबीज जैड़ी भयानक बीमारी फैलावणै रा कारण बणै। सोचणै री बात है कै अै कुत्ता अवारा क्यूं हुया ? असल में कुत्तो जंगली प्राणी हो पण हजारुं बरसां सूं मिनख रै साथै रेंवता-रेंवता पालतू होग्यो अर अब बो मिनख समाज सूं पूरी तरां हिलमिलग्यो। अब बापड़ो कुत्तो मिनखां नैं छोड'र कठै जावै ? जहर देय'र मारणो तो और भी गलत अर अमानवीय है। कुत्तो मिनख जात तांई कितरो उपयोगी है आ बात सगळा जाणै। कुत्तां नैं रोटी गेर'र पुन्न कमावणियां तो घणा ई मिल ज्यावैला



(A part of Inland Group)

**Swar, a brand of BE Gold Pvt. Ltd. deals in a wide range of fine Gold jewellery across USA, UK, Canada, Middle East, Turkey and Singapore.**



पण उणां री समस्यावां पर चिंतन कर उणां नैं दूर करण वाळो कोई कोनी। म्हारै मुहल्लै में कठै सूं ई अेक कुत्ती आगी। लोग उणनैं रोटी गेरण लागग्या। बा भी वफादार ही इण कारण पूरी रात भूस-भूस चोर उचक्कां सूं लोगां नैं सावचेत राखती। सगळो कीं ठीक-ठाक चालै हो पण अेक दिन बा आपरै प्रसव तांई जगां ढूंढण लागी तो किणी भी आपरै घर कनै कोनी फटकण दी। सगळा उणनैं भजावणै पर उतारु हा। अब बा बिच्यारी कठै ज्यावै ? कंक्रीट रै जंगळ में हैरान-परेसान बिच्यारी कुतड़ी कांई करै ? बड़ो ई करुणाजनक दरसाव हो। बा प्रसव पीड़ रै कारण इन्नै-बिन्नै सिर मारै ही, कोई उणनैं आपरै घर में राखण नैं तयार कोनी हो। आखिर म्हूं हिम्मत कर उणनैं म्हारै घर रै आगै ईटां री अेक छोटी-सी जगा बणा दी। लोग म्हारी बेवकूफी पर हांसै अर मजा लेवै हा। केई तो म्हनैं डरावै भी हा कै बयायेड़ी कुतड़ी खतरनाक हुवै। म्हूं सोचै हो, मिनख सूं घणी खतरनाक तो कांई हुवैली ? कुतड़ी रै ब्यांवतां ई लोगां में ओजूं धारमिकता

जागगी। कोई उणनैं गुड़-तेल रो सीरो बणा'र खुवावै हो तो कोई रोटियां। अब गळी में छह-सात कुत्ता होग्या। म्हूं आ बात भली भांत जाणूं कै आगलै बरस आ समस्या केई गुणा होय'र सांमी आवैली। पिछै इण कुत्तियां नैं कुण सरण देवैलो ? केई सहैरां में प्रबुद्ध लोगां रळ'र कुत्तां री नसबंदी करणै री कोसीस कर सरावण जोग काम कर्या पण अै कोसीसां ऊंट रै मूंडै में जीरै सिरखी ही। जद समस्या सर्वव्यापी है तो समाधान भी सर्वव्यापी होणा चायजै।

समाज अर पर्यावरण दोनुवां नैं इण अणबोल पसुआं री जरूरत है। इणां रै बूढा हो जावणै पर आंनैं मार देणा या घर सूं बारै कर देणा तो अमानवीयता अर संवेदनहीणता री पराकाष्ठा है। मिनख री संवेदना जीवती राखणै तांई इण गूंगै पसुआं री उण बगत मदद करणी चायजै जद अै कमजोर अर बूढा हो ज्यावै। जिनगाणी तो अमोल हुवै अर हरेक नैं प्यारी लागै। पूजा करणै सूं या कमजोर अर बूढी हो ज्यावणै पर कसाई नैं नीं देणै सूं आपणी धारमिकता सिद्ध कोनी हुवै। धारमिकता री जड़ां संवेदना, करुणा अर मिनखपणै री धरती पर पनपै। बाकी जिको कीं कयों जावै बो ढोंग अर लीक पीटणो है। असली धारमिकता बा ईज हुवै जिण में सगळै प्राणियां रो कल्याण हुवै। मिनख सगळै जीवां में श्रेष्ठ है तो उण रो ओ दायित्व भी है कै सगळै प्राणियां रै बचाव करणै रो भार भी आपरै कांधां पर लेवै। जद ई इण सिस्टी रो उपकार हो सकै। इण सूं खुद मिनख रो भी भलो हुवैलो।



www.inlandworldlogistics.com | 022 61837300

**Inland Group's Flagship  
company with operations  
across India and SAARC Nations.**



जद हा नासमझ  
तद भी ही  
एक नहीं अनेक तकलीफ,

पण जद माँ रैती ही नेड़ें  
तकलीफ हुवतां भी  
तकलीफ कोनीं देती ही  
कोई तकलीफ।

जद सूं होस संभाळ्यो  
घणकरी झेली जीवन रै  
हरेक चौरस्तै माथै तकलीफ,

तकलीफां सूं खेलतां खेलतां  
आदत इसी पड़गी कै तकलीफ नै ही  
हुवण लागती तकलीफ।  
जद तकलीफ सूं कोनीं हुवती  
आपारै तकलीफ।  
बात मूळ में आ है कै  
तकलीफ जद देवणियो सांवरियो है  
तो आप ही मिटावैलो  
आज नहीं तो काल  
बो ही तकलीफ ।

तकलीफ तन सूं जादा  
मन री हुवै,  
तकलीफ नै माना ही  
क्यूं आपां तकलीफ।

# तकलीफ नै क्यूं मानां तकलीफ

लक्ष्मण नेवटिया  
बिराटनगर

M.: 9829045247

श्री टीकमचन्द सत्यनारायण झंवर बिगगा बास, श्रीङ्गरगढ़

**SUNCITY TEXTILE PVT. LTD.**

Regd. Off.: D-36-37, Basement, Bhilwara Textile Market, Bhilwara-311001 (Raj.)

# बनड़ो

हसती तो कजली देसाँ रा लाज्यो जी  
 घुड़ला तो पारस देस रा लाज्यो  
 बाहण रे भळके आवो, जी बनड़ा  
 करवाँ रे रळके आवो जी  
 बनड़ो बूझै- ओ म्हारी बनड़ी  
 के गुण पायो भरतार, जी बनड़ी  
 के गुण पायो भरतार, जी बनड़ी  
 च्यार वज्योँ मैं सोती अठती  
 गीता रो करती पाठ, जी बनड़ा  
 था रे तो खातर कातिक न्हाया  
 था रे तो खातर कातिक न्हाया  
 वरत कर्या सौ-साठ, जी बनड़ा  
 वरत कर्या सौ-साठ, जी बनड़ा  
 नौ दिन तो मैं कर्या जी नौरता  
 सौळा दिन गणगौर, जी बनड़ा  
 पनराड़ी मैं ग्यारस करती  
 बारा करती चौथ जी बनड़ा  
 इतरा तो मैं जप तो अ करती  
 जद पायो भरतार, जी बनड़ा  
 जद पायो भरतार, जी बनड़ा



राजस्थानी सारु घणी मंगळकामनावां

**राजेन्द्र केडिया- अनुराग केडिया**  
**सीताराम राजेन्द्र प्रसाद**

16, नूरमल लोहिया लेन, कोलकाता -700007

# मदन बावानियो



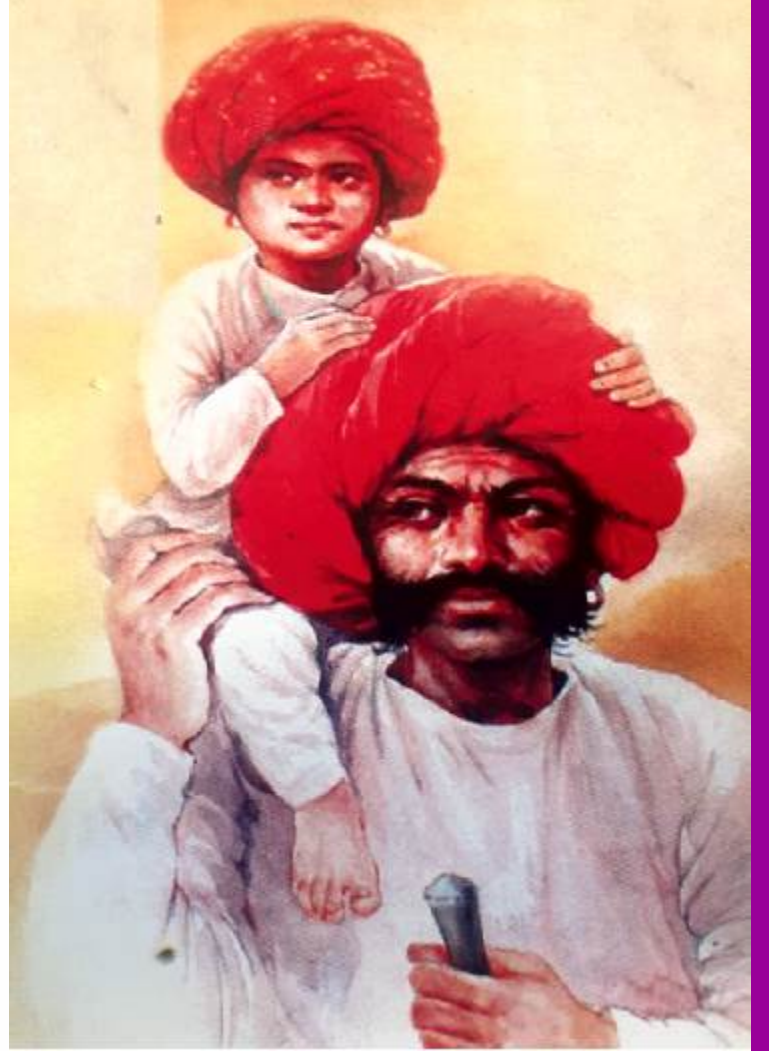
उपन्यासकार : राजेन्द्र केडिया  
अनुवाद  
डॉ. मदन सैनी

सगळा थारै ज्यूं भाग वाळा कोनी होवै भाई, सगळां नैं थारै ज्यूं म्हारै जैडो गुरु नीं मिलै। जिणनैं कोई गुरु नीं मिलै, उणनैं आपरो गुरु खुद बणणो पड़ै।

दूजै दिन दिनूगै-दिनूगै म्हैं बिना कोई सांग रच्यां म्हारै असली भेख में उण मठ रै दरवाजै आगै पूगग्यो। हेलो पाड़'र दरवाजो खुलवायो। बो ई पुराणो चेलो बारै आयो। पण म्हारै असली भेख में बो मनैं पिछाण कोनी सक्यो। उण मनैं मठ में आवण रो कारण बूझ्यो। म्हैं बिना किणी डर रै निसंक बोल्यो, 'म्हैं जीवणियो चोर हूं। इणसूं पैलां गरीब दुखियारै रो, पछै काळबेलियै रो अर ता-पछै सेठ रो सांग राच'र म्हैं थासूं मिल चुक्यो हूं। म्हारी बात सुण, जिती ख्यात इण इलाकै में थारै महंतजी री है, बिती ई म्हारी कीरती म्हारै इलाकै में भी है। म्हैं महंतजी सूं मिलणो चाऊं।'

म्हारा सबदां सूं चेलै माथै जादू जैडो असर होयो। मनैं इचरज होयो पण मनैं मानणो पड़्यो कै म्हारो नांव उण सारू अणजाण नीं हो। म्हारो उणियारो अर कद-काठी तो उण कोनीं देख राखी ही पण म्हारै नांव रो उण माथै गैरो असर दीस्यो। चेलो म्हारी बात माथै अंगैई अभरोसो नीं जतायो अर मनैं बठै ई ठैरण रो कैय'र मांय गयो। बिना देर लगायां बो तुरत पाछो बारै आयो अर मनैं महंतजी कनैं लेयग्यो।

मनैं अणूतो इचरज होयो। चोर कित्तो ई चावो अर नामी क्यूं नीं होवो, जे बो आ सोचै कै कोई सेठ, साऊकार, हाकम कै महंत उणरो नांव सुणतां ई उणनैं आपरै कनैं बुलाय लेसी, तो ओ बीं रो आतमविस्वास नीं बल्कै कूड़ो अभिमान है।



चोर नैं कोई आपरै कनै कोनी बुलावै। चोर तो बा बळा है जकी मत्तैई दूजा कनैं पूग जावै। जणै इण महंत मनैं इत्तो जल्दी मांय किंयां बुलाय लियो? म्हैं जाणबूझ'र म्हारो खुद रो माथो ई ऊंखळी में देय चुक्यो हो। ओ विचार मनैं पड़ण वाळा घमीड़ां रै पेटै सावचेत कर दियो।

धोळीझग चांदणी बिछ्योड़ी गादी माथै



## आयुर्वेदिक रसायनशाला

### सेठ सुमेरमलजी दूगड़ ज्योति : केन्द्र ट्रस्ट

दूगड़ विद्यालय मार्ग (घण्टाघर के दक्षिण में) सरदारशहर M.: 94144-04595

मिरगछाल बिछायोड़ा अर बडै गाव- तकियै रो सायरो लियां महंतजी बिराज्योड़ा हा। बां री आंख्यां म्हां कांनी ई जोवै ही पण चै'रै माथै किण भांत रो भाव कोनी। सफाई पेस करतां म्मैं इज बोलणो पड़्यो, 'म्हैं जीवणियो चोर हूं।'

'अठै क्यूं आयो है ?' महंतजी उणी'ज निरविकार भाव सूं बूझ्यो।

म्हैं कैयो, 'म्हाराज, चोर कठैई जावो, उणनैं तो फगत दो चीजां री चावना रैवै, कै तो धन री अर कै सरण री।'

'तनैं किणरी चावना है ?'

'दोनां री।'

म्हारो जबाब सुण'र महंत मुळक्यां बिना नीं रैय सक्यो। हाथ रै इसारै सूं उण आपरै चेलै नैं जावण रो संकेत कर्यो। चेलो गयां पछै मनैं कैयो, 'तूं मान चायै मत मान, लगन दोनां कांनी सूं लागै, जणै कठैई जाय'र जीव अर बिरम रो मिलण होवै। म्हे ई तनैं याद कर रैया हा।'

म्हारो इचरज बधग्यो। म्हैं बूझ्यो, 'म्हाराज, आप म्मैं याद कर रैया हा, पण क्यूं ?'

महंत बोल्यो, 'म्हैं तनैं बतायो है नीं कै हूक दोनां कांनी सूं ऊठ्या करै। जिंयां चोर सोनै नैं याद करै बिंयां ई सोनो चोर नैं चितारै।'

म्मैं गतागम में पज्योड़ो देख'र महंत बोल्यो, 'इण नगर रै बडै धनवंत सेठ रो नांव तो तूं सुण्यो होसी। उणरै धन रै भूंहारै में सोनै-चांदी रो भंडार भरचोड़ो है। धरती रा सगळा सुखां अर ठाट-बाट रो उणरी हेली में अंबार लाग्योड़ो है। फगत ओक औलाद रै अभाव में घोर दुखी अर

निरास होय'र बो म्हारै कनै आयो हो। म्हारी गादी आगै आय'र उण आपरो माथो निंवायो, रोयो-गरळायो अर अरदासां करी। बोल्यो, 'ओक बेटो देय दिरावो जिणसूं म्हारो वंस चाल सकै। औलाद बिना म्हारो सगळो धन अर ठाट-बाट बिरथा है, जीवण अकारथ। आप चावो तो इणरै बदळै म्हारो आखो धन लेय लिरावो।'

म्हैं उणनैं समझायो, 'संतान थारै भाग में लिख्योड़ी ई कोनी तो म्हैं देवणियो कुण? धन रो मनैं लोभ कोनी, म्हैं धन रै हाथ ई नीं लगाऊं, ना ई म्हारा चेलां नैं हाथ लगावण देऊं। आ बात तूं भी चोखी तरै जाणै है।'

पण बो कोनी मान्यो। आपरी जिद माथै अड़्यो रैयो। बोल्यो, 'आप चावो तो स्सो कीं कर सको। मनैं बेटो ई देय सको। म्हैं संकळप लेऊं कै म्हारै बेटो होवतां पाण म्हैं म्हारो सगळो सोनो म्हारी इच्छा सूं परमारथ रै काम में इण मठ नैं देय देसूं। जे आप उणरै हाथ नीं भी लगावो तो म्हैं खुद म्हारै हाथां सूं ओक कूओ खोद'र उणमें सगळो सोनो घाल देसूं।'

महंत आपरी गादी नैं ऊठा'र उणरै हेठै ओक चौखूंटै भाटै नैं अळघो सिरकायो। अळघै सूं इज मनैं दिखावतो बोल्यो, 'देख ! माडाणी जिद करनै बो सेठ इण गादी हेठै ओक कूओ खुदवाय दियो। पण गुरु-किरपा अर परसाद सूं बेटो होयां बाद बो आपरो बचन भूलग्यो। बीनैं कई बार याद दिरायां पछै ई बो आपरो संकळप पूरो करण नैं कोनी आयो। अठै ताई कै उण आपरै कुळदीपक नैं ई गादी पर माथो टेकण सारु कोनी भेज्यो। संकळप कर'र नट जावण सूं मोटो पाप इण दुनिया में दूजो काई होय सकै ? अर औसान नीं मानण वालै नुगरै मिनख सूं मोटो अन्यायी अर दोसी कोई दूजो कोनी। इण वास्तै उण सेठ नैं उणरै महापाप सूं मुगती दिरावण सारु उणरै सोनै रो हरण करणो जरूरी होयग्यो है।'

म्हारो इचरज घटण री ठौड़ बध्यां जावै हो। म्हैं संका परगट करी, 'तो इण काम सारु आप



-हार्दिक मंगळकामनावां -

M.: 9435090306

**श्री रामचन्द्रजी ओमप्रकाश राठी**

**कालूबास, श्रीडूंगरगढ़ \* जोरहाट**

राजा री मदद क्यूं नीं लेवो, बो तुरत न्याव कर देसी।’

महंत बोल्यो, ‘सगळा न्याव अकेलो राजा किंयां कर सकै है अर अँडो टेढो न्याव तो राजा कदैई कर ई नीं सकै। सेठ धन देय’र राजा नैं राजी कर देसी अर आपरै पख में न्याव भी करवाय लेसी। जे बो इंयां नीं भी कर सक्यो तो राजा उणरो सोनो दंड सरूप भरवाय लेसी अर आपरै राजखजाने में जमा करवाय देसी। पण दोनू ई स्थिति में मठ रो ओ कूओ तो खाली रो खाली ई रैय जासी। जीवणिया, तूं समझवान है। तूं आ बात चोखी तरै जाणै है कै कूओ भलां ई सोनै रो होवो चायै मिनख रै पेट रो, उणनैं भरण री जिम्मेवारी फगत बीनैं बणावण वालै री’ज होया करै।’

म्हारै चै’रै माथै अजै ई संका रा भाव ऊमड़ रैया हा। म्हारी दोघाचिंती देख’र महंत आपरी आंख्यां में अणूतै नेह अर अपणायत रा भाव भर लिया। जिंयां कोई हठी टाबर नैं समझावै, बिंयां ई मनैं समझावतां उण महंत कैयो, ‘देख तनैं सावळसर समझाऊं। राजा जद न्याव करण नैं बैठै तो सगळां सूं पैलां बो परमाण जोवै। बिना परमाण बो कीं नीं कर सकै। जे परमाण अर गवाह मिल जावै तो बो बां सूं टळ’र उल्टो न्याव भी नीं कर सकै। हां, चोर सारू गवाह अर परमाण री अँमियत काची माटी रै ठीकरां सूं घणी कीं नीं होवै। बो जाणै कै गवाह अर परमाण अभियोग-करता रै हाथां रा रम्मतिया होवै, जिणां नैं बो जद चावै जिंयां चावै आपरै मन परवाणै घड़ सकै, अठै ताई कै किणी निरदोस नैं भी पजाय सकै। चोर गवाह अर परमाण री असलियत नैं जाणै, इण वास्तै बो आपरै विवेक बुद्धिबळ नैं इज गवाह अर परमाण मानै। इण वास्तै म्हारो ई मानणो है कै ऊपर भगवान रो न्याव साचो होवै अर हेठै चोर रो न्याव। जे राजा आपरै विवेक अर आतमा सूं न्याव करै तो चोर नैं उणरै न्याव बिचाळै टांग अड़ावण री जरूरत

ई नीं पड़ै।’

महंत री समझाइस म्हारै मन रै अनिरणै नैं लगैटगै खतम कर दियो। पण छोटी-सी संका अजै ई मन रै किणी खूणै में रैयगी ही। म्हैं तो बा ई परगट कर दी। म्हैं बोल्यो, ‘जे सेठ आपरी इच्छा सूं आपरो सगळो पीळियो (सोनो) इण कूअै में नाख ई देवतो, तो भी बो आपरै तो किणी काम नीं आवतो। कूअै अर पताळ में पड़चो धन किणी रै काम नीं आवै। पछै आप उण सारू इत्ती चिंता-फिकर में क्यूं पड़ग्या?’

महंत हंस’र बोल्यो, ‘जीवणिया, चोर होय’र ई तूं तो सफा डफोळ अर भोळो है रे ! पीळियो भलां ई धरती पड़चो होवो, चायै पताळ में, अठै ताई कै आभै में अधर ई क्यूं नीं लटकतो होवो, उणरो तो मालक होवणो ई मिनख रा सगळा काम पार घाल देवै। दुनिया रा सगळा काम पीळियै सूं इज पार पड़ै। सूरज रो पीळो उजास धरती पर पसरचां ई जन-जीवण री चळवळ सरू होवै। इण मठ री आ अखंड जोत, आठूं पौ’र धुकती अँ धूण्यां, दिन-रात चालता भंडारा अर अठै बंटतो महा-परसाद, औ स्तो कीं गुरु री महिमा सूं नीं, पीळियै री महिमा सूं इज होवै। पीळियै बिना तो इण धरती रो पानडो ई नीं हिल सकै।’

म्हारी संका रो निवारण होयग्यो हो। तद महंत बोल्यो, ‘जीवणिया, अबै तूं आयग्यो है तो जित्तो जल्दी होय सकै, इण काम नैं निवेड़ नाख !’

म्हैं बोल्यो, ‘जैड़ी आपरी इच्छा म्हाराज, पण म्हैं तो अजै ताई उण सेठ री हेली नैं निजरां ई नीं दीठी। उण हेली रै मांयलो हाल-चाल जाण्यां बिना अर भेद मिलां बिना, अणजाण्यै अर अणदेख्यै समदर में किंयां कूदीजै ? आंधो आदमी ई पैलां जाग्यां टंटोळै, पछै आगै पांवडो धरै। आ तो बिना टंटोळ्यां ई आंधै रै दौड़ण जिंसी बात होय जावैला।’

**Mahavir Prasad Toshniwal**

**M.: 9320744011**

**Real Estate Consultant**

**334, Gala Industrial Complex, Dumping Road, Mulund West, Mumbai-400080**

**Anand Kumar Toshniwal**

**9326356533**

**Shubham Toshniwal**

**9370744003**

**Mahavir Synthetics**

**MANUFACTURERS OF EXCLUSIVE FANCY SHIRTING**

H.No. 1468/38, 2nd Floor, Gala No. 212, A-Bldg., Mahadev Compound, Above APS Transport, Rahanal Village, Muni Suvrat Complex, Bhiwandi-421302  
Email : anand.k.toshniwal@gmail.com

महंत बोल्यो, 'जीवणिया, म्हें अठै मठ रै मांय बैठ्यो-बैठ्यो ई लोगां नैं तिरलोकी अर बिरमांड रा दरसन कराय दिया करूं हूं। सुरग अर नरग तकात दिखाय देऊं, तो सेठ री हेली री काई जिनात। सेठ री हेली रो, उणरै बारै-मांय रो, राई-राई अर रत्ती-रत्ती रो हाल-हवाल इण ठौड़ बैठ्यो-बैठ्यो ई बतावणो कुणसी बडी बात है ? म्हारै होवतां थकां तनैं आं सब बातां री चिंता-फिकर करण री जरूरत कोनी।'

कैय'र महंत कपड़ै रो अेक बडो-सो बटको काढ्यो अर बीनैं म्हारी आंख्यां आगै पसार दियो। बीं बटकै पर बडी खामचाई सूं उण सेठ री हेली रै बारलो-मांयलो अेक-अेक खंड,

ठाव, परकोठां, बारचां, दरवाजां अर पगोथियां तकात रो चितराम घणी बारीकी सूं उकेरचोड़ो हो। दिन अर रात री बगत पौ'रो देवणियो पौ'रेदारां रै सागै-सागै ठांव अर परकोठां में रैवणिया अर सोवणिया लोगां री विगत अर ठौड़ ई मांडचोड़ी ही। महंत रा चेला जद ई किणी बहानै सेठ री हेली में जावता तो बटै री गतिविधियां री पूरी जाणकारी अर हाल-हकीगत आपरै मगज में बैठाय लावता। मठ में आय'र बै बांनैं ज्यूं रो त्यूं मांड देवता। हेली रा दिन-भर रा कामकाज अर बटै रा लोगां री आदतां री सगली जाणकारी महंत म्हनैं देय दी ही। इत्ती साची अर सठीक जाणकारी तो अेक चोर ई आपरी आंख्यां सूं देख'र नीं कर सकै।

क्रमशः

## खळखळी...



एक सरकारी अधिकारी गांव रै शिविर मांय परिवार नियोजन माथै लोगां नैं संबोधित कर रैयो हो, बो बोल्यो- भाई लोगां, थानैं ठाह है आपणै देस री आबादी किती तेजी सूं बधती जाय रैयी है? आप नैं ठाह है अठै हर तीन मिनट में लुगाई एक टाबर जण रैयी है। अबै बताओ इती तेजी सूं बधती जनसंख्या नैं कियां रोकी जा सकै है? थे ही बताओ कियां रोकी जा सकै है?

भीड़ मांय सूं एक जणै उभो होयो अर बोल्यो--सबसूं पैली तो आपां नैं बीं लुगाई नैं ढूंढणी पड़सी जिकी हर तीन मिनट में एक टाबर जलमैं।

एक भायलो दूजै भायलै सूं बोल्यो- जे सगळा मूरखां री ऐकै सागै मौत होय जावै तो कितो ठीक रैवै।

दूजोड़ो भायलो बोल्यो- म्हारी समझ में कोनी आवै कै तूं और क्यूं कोनी जीवणो चावै?

जंगल में शेर रो ब्याव होय रैयो हो। सगळा जानवर मोद मनाय रैया हा। एक ऊंदरो घणै उछाव अर उमंग सूं नाच रैयो हो। दूजा जानवर बूझ्यो- ऊंदरिया, तूं घणो राजी होय रैयो है,

इसी के बात है?

नाचतो-नाचतो ऊंदरो बोल्यो- ब्याव सूं पैली में भी शेर हो।

लुगाई आपरै मोट्यार नैं बीस- बीस रिपियां रा दोय नोट दिया अर कैयो-बीस रिपिया रा आलू अर बीस रिपिया रा बैंगण बेगा सा लेय आवो।

मोट्यार थोड़ी ताळ में हांफतो हांफतो आयो अर बूझ्यो- कुण सै नोट रा आलू ल्यावणा है अर कुणसै रा बैंगण?

### सोहनलाल निर्मलकुमार बोथरा

श्रीडूंगरगढ़ - अहमदाबाद

फर्म



BOTHRA'S  
(Textile Solution)

सोहन फेब - निर्मल टेक्सफेब

टेक्सटाईल ट्रेडिंग एजेन्सी

अमित ईन्टरप्राइजेज - अहमदाबाद

निटिंग होजरी प्रिन्ट कपड़ा के निर्माता व कपड़े के आड़ती



Nirmal Bothra  
(M) 9426002262



Amit Bothra  
(M) 9327002737



Sumeet Bothra  
(M) 9428510858



श्री हनुमानमलजी बुच्चा

हियै तणी मंगळकामनावां-ओम अर्हम ॥

M.: 9810014757

श्री हनुमानमलजी-कमलकुमार-अंकितकुमार बुच्चा

कालूबास-श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) रोहिणी-नई दिल्ली-85

# हंसी री कविता रै नाम माथै कविता री हंसी

डॉ. गजादान चारण 'शक्तिसुत'

“ कविता में भाव अर शिल्प दोनूं पखां रो आप-आपरो महत्त्व है। भावपख काव्य रो आंतरिक पख है तो कला या शिल्प उण रो बाहरी पख है। भावपख रो मूल आधार अनुभूति है तो कलापख अभिव्यक्ति प्रधान हुवै। अनुभूति री ताकत ही कवि नैं अन्य लोगां सूं अलग पहचाण दिरावै। ओ अनुभूति तत्व ही कवि री संवेदना अर संचेतना में बधेपो करै। इणीज तत्व रै पाण कवि री सहानुभूति अर स्वानुभूति दोनूं गहरी बणै।

**व**र्तमान दौर रै साहित-सिरजण रो ओ दुखद पहलू है कै जठै महाकवि तुलसी 'स्वांत: सुखाय रघुनाथ गाथा' री बात करतां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जेड़ै चरितनायक सूं पग-पग पर समाज साम्हीं उदाहरण प्रस्तुत करावतां मर्यादा, अनुशासन अर काण-कायदै रो पाठ पढायो, बठै आज रै साहित्य में सौक्यूं बदळ्यो-बदळ्यो सो है। तुलसी रै स्वांत: सुखाय में पूरी जीयाजूण रो सुख भेळो हो पण उणी सिरजण छेत्र में आज अकदम उलटो मामलो दीखै। 'स्वांत: सुखाय' री बात तो आज भी सिरजकां अपणा राखी है पण आज रै स्वांत: सुखाय में खुद रै अलावा कोई भेळो नीं है। जकै



CHICK N CURTAINS

RATAN PUGALIA  
RASHMI PUGALIA

93772 91071  
63531 50445

SILK LINE, UPHOLSTERY, WALL PAPER, CHICK BLINDS, CARPETS, S.S. ROD, WOODEN BLINDS, FLOORING AND ALL TYPES OF ACCESSORIES

113, Steller, Sindhu Bhavan Raod, Bodakdev, Ahmedabad-380054



कवि मंचां रो ओ नजारो देख'र साहित्य रा साचा सेवगां सूं  
अरज करुं कै आप-आपरी कलमां नैं तेज करतां साहित्य री  
सेवा करणी जरूरी है।

कूअै सूं पाणी पीवै उण कूअै रै धुड़ पड़ण री बात  
नैं आपणै लोकजीवण में बेजां अजोकती मानी,  
इण वास्तै ई अठै व्यंग रूप में आ कैबत चाली कै,  
“हम पीया हमारा बैल पीया, अब कूओ भलाई  
धुड़ पड़ो।” इयांकली ही दूजी कैबत है कै जकी  
थाळी में खावै, उणमें ई छेद करै, आ भी  
अजोगती बात है। पण अबार तो बा ई हालत है  
कविता रै नाम सूं माण, पद अर प्रतिष्ठा पावणियां  
लोगां कविता री अरथी काढण में कोई कोर

कसर कोनी छोडी।

बियां तो छंदमुक्तता रै नाम पर ही कविता  
रो अनुशासन बिगड़ग्यो हो पण हास्य कविता रै  
नाम माथै कविता री हंसी रो काम बेजां बध्यो है  
अर ई रो विस्तार भयावह हूंतो जायों है। आज रै  
कवि सम्मेलनां रो नजारो देख'र साधारण  
आदमी सोचण सारु मजबूर हुज्यावै कै बो कोई  
साहित्यिक कार्यक्रम में है का सरकस रै तंबू में

राजस्थानी भासा री बध्योतरी री मंगळकामनावां  
**Sushil Kumar Poddar**

M.: 9339871645

**Subhshree Logistics**

LLP, 25B, Camac street, Camac Court, Flat 7B, Kolkata-700016.

बैठो है। क्यूँकै सरकस अर साहित्य रै बीचै जकी भेदक रेखावां ही उणां नैं आं मंचीय महारथियां जड़ामूळ सूं मिटावण री अणूंती खेंचळ सरू करी है अर अै खासा फीसदी ताणी सफल भी हुया है। अबार री गति नैं देख'र लागै कै ओ बिगाड़ अब रुकतो कोनी दीखै। इण बिगाड़ खातर मंचीय कवि रै नाम सूं विख्यात लोग तो जिम्मेदार है ई पण दूजो पख भी दोषमुक्त कोनी मान्यो जा सकै। इण बिगड़योडै हालात खातर अेकला तथाकथित मंचीय कवि ही जिम्मेदार नीं है बै समृद्ध अर सबळा रचनाकार भी बिता ई दोषी है जका योग्य हुंवतां थकां भी आपरै श्रोतावां री आसावां पर खरा नीं उतर्या अर मंचां सूं तौबा कर'र दूर जा बैठा। मैदान छोड़'र भाज्यां तो वीर सतसई रै रचयिता री बात साची हुवैला- “जिण वन भूल न जावता, गेंड गवर गिडराज। तिण बन जंबूक ताखड़ा, उधम मंडै आज।” मतलब ओ कै जकै जंगल में वनराज सिंह रै आतंक सूं डरता गेंडा अर हाथी तकातक जावण री हिम्मत नीं करता उणीज जंगल में आज गादड़ा उधम मचावण लाग रिया है, इण रो कारण ओ ई है कै जंगल रै राजा शेर आपरै काम सूं मूंडो मोड़ लियो अर इयां लागण लाग्यो कै उणरी खिमता घटगी।

कवि मंचां रो ओ नजारो देख'र साहित्य रा साचा सेवगां सूं अरज करूं कै आप-आपरी कलमां नैं तेज करतां साहित्य री सेवा करणी जरूरी है। सावजोग अर जोगता साहित सेवगां सूं अेक प्रश्न करतां कीं कैवणो चावूं-

सरकस अर साहित बीच जकी,  
भेदक रेखावां कुण भेळी  
कविता नैं भांडबिगोवा कर,  
मंचां पर कर दी मटमैली॥  
मरजाद लाज सब तार-तार,

मजलिस में मरकट माच रिया।  
कविराज लतीफा पढ-पढ कर,  
है दाद वजीफा पाय रिया॥  
तुकबंद्यां जोडै ताल, माल रा,  
भर्या लिफाफा ले ढळसी।  
कविता रो अंतस कुरळावै,  
सुण कलम साच बोल्यां सरसी॥  
(‘शक्तिसुत’)

कवि युगद्रष्टा अर समाज स्रष्टा हुवै क्यूँकै बो आपरी अनुभूति रो नयो चांदणो बिखरावतो नवीन सृष्टि रो निर्माण करै। यूं तो कवि भी सामान्य समाज रो ई अेक सामान्य अंग है पण बो औरां सूं थोड़ो-सो निकेवळो हुवै। कवि भी आपरी कविता में बा ई बात कैवै जकी सगळा लोगबाग अनुभव करै, पण बै कह कोनी पावै अर बो कह देवै। सहृदयता रै बळबूतै कवि री अनुभव-शक्ति औरां सूं सवाई हुवै, इण वास्तै कवि युग री चाल नैं पिछाणै अर उणरी कलम कोरणी चाल पडै। कविता में भाव अर शिल्प दोनूं पखां रो आप-आपरो महत्त्व है। भावपख काव्य रो आंतरिक पख है तो कला या शिल्प उण रो बाहरी पख है। भावपख रो मूल आधार अनुभूति है तो कलापख अभिव्यक्ति प्रधान हुवै। अनुभूति री ताकत ही कवि नैं अन्य लोगां सूं अलग पहचाण दिरावै। ओ अनुभूति तत्त्व ही कवि री संवेदना अर संचेतना में बधेपो करै। इणीज तत्त्व रै पाण कवि री सहानुभूति अर स्वानुभूति दोनूं गहरी बणै।

अनुभूति पख री इतरी प्रबळता रै बावजूद भी अभिव्यक्ति पख री आपरी मठोठ अर महत्ता किणी भांत कम नीं आंकी जा सकै। कोरी अनुभूति सूं ई कोई कवि नीं बण सकै अर कोरी प्रयत्न-साधना सूं भी काम नीं बणै। कलाकार कनै आपरी विकसित कल्पना शक्ति अर परिष्कृत



श्री सुमेरमलजी हनुमानमल डागा  
सुप्रीम फूड प्रोडक्ट्स

उधमपुर, रामपुर (कामरूप), गोवाहाटी

M.: 9435049867

अभिरुचि जरूरी है। कलाकार शिल्प रै सिंगे आपरी अनुभूतियां नै साकार अर मूर्त रूप में प्रकट करै। आपणै अठै रा ध्वनि आचार्या तो अनुभवहीन शिल्प नै 'दोषालय' री संज्ञा देवतां फोरो अर त्याज्य बतायो है। बठै ई अनुभव-आधारित अर श्रमसाध्य शिल्प नै 'शुभा' कैवतां श्रेष्ठ अर ग्राह्य बतायो है। सार रूप में परिष्कृत अभिरुचि, कल्पना अर प्रयत्न-साधना रै बळबूतै अनुभव अर प्रयास सूं शिल्प में निखार अर परिष्कार आवै। पंडित केशव प्रसाद मिश्र मानै कै योगी जिण ठौड़ आपरी साधना रै बळ सूं पूगै, प्रतिभा-वैभव सम्पन्न कवि बठै अनायास ही प्रतिष्ठित हुज्यावै। अरस्तु रो मानणो है कै ईश्वर जद आपां सूं बातचीत करणी चावै, तो बो कवियां री वाणी रै माध्यम सूं आपरै सबदां नै व्यक्त करै। इण दीठ सूं कवि रो सहज स्वाभाविक उद्गार दैवीय उद्गार है। कवि रै व्यक्तित्व रो वैशिष्ट्य उणरै काव्य में प्रतिबिंबित हुवै। जिण भांत रो कवि रो जीवण हुवै, उणी भांत री उणरी अभिव्यक्ति हुवै। मूल्यवान कविता बो ही कवि लिख सकै जकै री चेतना स्वच्छ अर बुद्धि परिष्कृत हुवै। फकत तीखै तर्का री शुष्कता अर कोरी भावुकता दोनुवां सूं कवि नैं बचणो चाईजै। कवि री दीठ जितरी दूरगामी, निरमळ अर निरविकार हुवै उणरो सिरजण उतरो ई अखी बणै, नींतर बीरो लिख्योड़ो क्षणजीवी अर साहित्यधर्म सूं अलायदो हुज्यावै। वस्तुतः सिरजक री सिरजणा जद ई पूरी हुवै, जद कै बो सिरजणा री महाशक्ति में खुद नैं पूर्णरूपेण विलीन कर देवै। छायावादी कवयित्री महादेवी वर्मा मानै कै जीवण रै स्पंदन सूं शून्य साहित्य कदै ई जीवित नीं रह सकै।

राजस्थानी मंचीय कविता री विकास

लोगां रो हुजूम कवि सम्मेलणां में देखण नै मिलतो अर कवि भी लोगां नैं आपरै ऐतिहासिक गौरव, महापुरुषां रै बलिदान अर समाज री अंजसजोग बातां सूं जोड़ता रस आप्लावित करता। आज तो कविता रै सिणगार री बजाय कवयित्री रै रूप-सिणगार नैं रस बणावण रा जतन हुवै। जको रस आस्वादन रो विषय हो बीं नैं आज “करि फूलेल को आचमन, मीठो कहत सराहि” री तर्ज माथै लाय'र छोड दियो अर गंधी भी समझग्यो कै अठै इत्र रो नाश करण री कोई जरूरत कोनी।

जात्रा पर निजर न्हाखां तो बो समै याद आवै जद कवि मेघराज मुकुल री 'सैनाणी' कविता राजस्थानी वीरधरा री प्रतिनिधि मंचीय रचना रै रूप में पूरै भारत में समादरणीय बणी। उण पछै तो अेक टेम बो भी हो जद राजस्थानी कविमंचां पर इण धरा रै अंतस सूं जुड़ियोड़ो मीठा गीतकारां री अेक शृंखला बणी। उण शृंखला री अेक-अेक कड़ी रो नांव लेवतां मन में अपार हरख हुवै अर बांरी साहित्य साधना रै प्रति नमन रो भाव जागै। बां गीरबैजोग कडियां में सर्वश्री लक्ष्मणसिंह रसवंत, कानदान कल्पित, कल्याणसिंह राजावत, किशोर कल्पनाकांत, मोहम्मद सद्दीक, सीताराम महर्षि, दुर्गादानसिंह गौड़, गजानन वर्मा, भंवरजी भंवर, माधव दरग अर भळै कई नाम खास गिणावणजोग है। लोगां रो हुजूम कवि सम्मेलणां में देखण नै मिलतो अर



॥ जय श्री करणी माँ ॥

M.: +91 93318 28105

**Shree Garments**  
Kolkata



**Jagdish Mundhra**

Kalubas, Shri Dungargarh (Bikaner)

कवि भी लोगों नें आपरै ऐतिहासिक गौरव, महापुरुषां रै बलिदान अर समाज री अंजसजोग बातां सूं जोड़ता रस आप्लावित करता। आज तो कविता रै सिणगार री बजाय कवयित्री रै रूप-सिणगार नें रस बणावण रा जतन हुवै। जको रस आस्वादन रो विषय हो बीं नें आज “करि फूलेल को आचमन, मीठो कहत सराहि” री तर्ज माथै लाय’र छोड़ दियो अर गंधी भी समझग्यो कै अठै इत्र रो नाश करण री कोई जरूरत कोनी। ई वास्तै बो भी आपरी बोतलां में आचमन वाळो ई फूलेल घाल’र आपरो काम निकाळणो सरू कर दियो। समै रो बदळाव इयांकलो है कै बापड़ै बिहारी जियांकलै रचनाकारां नै झूठो पड़णो पड़्यो है।

हंसी री कविता रै नाम पर लाफ्टर चैलेंज री अश्लीलता कविमंचां पर आयगी, ओ सबसूं बडो दुखद पहलू है। हास्य कवितावां तो भक्त कवियां भी लिखी ही पण हंसी वास्तै उथळैपण री का अमर्यादित होवण री दरकार नीं है। महाकवि तुलसी जियांकलै कवि राम जियांकलै मर्यादित चरित्र रै बरणाव में भी हास्य रस नें जाग्यां दी है पण बां इण बात रो पूरो ध्यान राख्यो है कै बांरो हास्य बेकायदा नीं होय’र बाकायदा है। विंध्याचल पर्वत पर भगवान राम जद पधार्या तो सगळा विंध्यवासी साधु-संत भगवान राम रै दर्शनार्थ उत्सुक हा अर तुलसी बां पर चुटकी लेवतां हास्य लिखै-

विंधी के वासी उदासी तपी,  
व्रतधारी महा बिनु नारी दुखारे।  
गौतम तीय तरी तुलसी सौ  
कथा सुनि भै मुनिवृंद सुखारे॥  
व्है हैं शिला सब चंद्रमुखी  
परसै पद मंजुल कंज तुम्हारे।

कीनी भली रघुनायक जु  
करुना कर कानन को पग धारे॥

(गोस्वामी तुलसीदास)

भावार्थ ओ है कै विंध्याचल माथै रैवणिया सगळा साधुड़ा घणा तपस्वी अर वादै रा पक्का हा पण बापड़ा कुंवारा हा अर लुगायां बिनां घणा दुखी हा। बां साधुड़ां जद आ सुणी कै भगवान राम ऋषि गौतम रै घरै अेक सिलाड़ी रै आपरो पग लगायो तो बा सिलाड़ी सुंदर, सुशील कामिनी बण’र गौतम री घरवाळी बणगी, तो बां सगळां री भगवान राम रै प्रति श्रद्धा और बधगी। जद भगवान राम विंध्याचल माथै आया तो सगळा मोडिया हाथां में न्यारी-न्यारी सिलाइयां लियां उडीकण लाग्या कै अबार भगवान राम रै चरणां में सिलाड़ी राखस्यां अर फटाफट अै सगळी सिलाइयां चंद्रबदनी, मृगलोचनी रूपसी औरतां बण ज्यासी अर इण आस सूं भगवान राम री जै-जैकार करण लाग्या।

कितरी सहजता सूं तुलसी आपरै पाठकां नै हंसणै री फुरसत दी है अर सागै-सागै इयांकला नकली साधुवां नें भी इशारो कर दियो कै थांरा किरतब म्हां सबां सूं छाना कोनी। आपणै घर-परिवारां में तो बाळकां नै आपां रोजीनै सिखावां कै घटिया अर ओछी बात या काम पर हंसणो नीं चाइजै। आम जीवण में कई वर्जनीय विषय राख्योड़ा है जकां पर आपां सार्वजनिक रूप सूं चर्चा नीं करां। पण आं कविमंचां खातर तो बै वर्जनीय मानीजण वाळा विषय ही आज दाठीक विषय बण्योड़ा है-जियां बूढा दादाजी रै बाय री शिकायत रैवै तो बार-बार बाय सूरै। घर में पैली-पैली बार छोटा बाळक इण पर हंसै जणां सगळा लोग बां टाबरां नें टोकै अर सिखावै कै आ हंसण री का चर्चा करण री बात कोनी। अर बै

अरूण कुमार सेठिया  
मोमास्तर (श्रीद्वंगरगढ़)

BALURGHAT

CONTACT-03340036404  
08022290289

**BALURGHAT TRANSPORT CO.**

kolkata@balurghat.co.in/info@balurghat.co.in

टाबर जीवण में गांठ बांधलै कै ई विषय पर औरुं अजोकती हरकत कोनी करै पण आज रै मंच रा कवियां सारु 'दादाजी रो पाद' कविता रो मोटो विषय है अर बीं कविता नै सुण'र जावणियां टाबर दूजै दिन सूं बापड़ै दादाजी री जकी गत करै बा आप सोच सको।

आजकालै रा कविमंचां रा हाल बेजां बिगड़योड़ा है। अबार कविमंचां माथै कवि कम अर भांड ज्यादा निगै आवै। कविता रै नांव पर कोरी अर कोरी अश्लीलता रो नग्न तांडव आजकाल कवि सम्मेलनां में देखण नै मिलै। म्हारी निजरां में ओ घनघोर संक्रांति रो दौर है जकै में टी.वी. देखां तो उण पर सगळा चैनल इण संक्रांति सूं प्रभावित, पत्र-पत्रिकावां री खबरां इण सूं प्रभावित अर और तो और, कवि सम्मेलनां रा मंच तो इणरै प्रभाव सूं कविता तक नै ई भूल बैठ्या। यदि कवि सम्मेलनां री महत्ता री बात करां तो भाषा अर संस्कृति रै संरक्षण अर विगसाव रो अेक सबळो अर मजबूत आधार कवि सम्मेलन है। शुद्ध साहित्य अर लोक साहित्य दोनुवां सूं जन-जन नैं जोड़ण रो काम कवि-मंचां रै माध्यम सूं हुवै पण बो जद ई संभव है जद कै कवि मंचां सूं कवितावां री सरस सुरसरि धारा प्रवाहित हुवै। कोरी चुहुलबाजी अर अश्लील चुटकुलां रै बळबूतै कविमंचां री साख इतरी गिरगी कै भलै लोगां तो कविमंचां सूं तौबा करली।

आजकालै अेक नयो ई ट्रेंड चाल्यो है। दो-चार कवि अर अेक-दो कवयित्रियां सूं कविमंचां री टीम बणै। पछै बां मांय सूं अेक वाचाल बांरो संचालक बणै। बो संचालक आपरी वाचालता रो पग-पग पर प्रमाण देंवतो कवयित्रियां रै बहानै पूरै समाज री मर्यादा रो उपस्थित जनसमूह रै

साम्हीं चीरहरण करै। कवयित्रियां भी बोल्ड अभिनेत्रियां री भांत उण चीरहरण नैं श्रोतावां री चाहत जाण'र खुशी-खुशी स्वीकारै अर कई बार तो खुद ई आपरो चीर उतारती निगै आवै। मंच संचालक मंच माथै उपस्थित कवियां अर कवयित्रियां रो परिचै करावतो कवि सम्मेलन रो आगाज करै। बो आपरै इण परिचै-सत्र में ही आपरी प्रतिभा सूं लोगां नैं अचंभित करदै अर कविता नैं इतरी शर्मिदा करदै कै कविता सुणण-सुणावण रो माहौल ई नीं बण सकै।

संचालक आपरै सहधर्मी साथी कवियां खातर जका सबदां में संबोधन करै बै देखो-प्रा, मूसळचंद, धतूरा, आकड़ा आद। जे कोई भूल सूं भी बांनै आंगण री तुलसी कैय देवै तो अै बीं नैं संशोधित करता आंगण रो धतूरो बतावै अर साबित कर्या छोड़ै। सागै-सागै संचालक आपरी जीभ रा चटकारा लेवतो श्रोतामंडळ सूं ताळियां री गडगड़ाहट रो नजराणो पेश करावतो रैवै। कवियां री टीम बां ताळियां नैं आपरै कृत्य री समाज सापेक्षता री पुष्टि मानै अर बार-बार उणनैं दोहरावै। कई कवि तो लारलै पन्द्रह-पन्द्रह बरसां सूं अेक ई कविता रै दम पर कविमंचां पर तथाकथित रूप सूं छायोड़ा है। पण बांरी खासियत आ है कै मजबूरी हुयां ई कविता सुणावै, नीं तो चुटकुलां अर टीका-टिप्पण्यां सूं ई काम चला लेवै, ई वास्तै बांरी कविता बियां री बियां 'घी रो घड़ो' ई पड़ी है। किणी मंच माथै चुटकुलां नीं बोलण देवै तो अेक कविता भी चाईजै, ई वास्तै अेक लिख राखी है। ओ मोटामोटी कविमंचां रो नजारो है।

विचारकां रो मानणो है कै समै री दुर्दांत आग श्रेष्ठ काव्य री कसौटी हुया करै। जको काव्य उण आग नैं झेल'र उबर ज्यावै, बो नहचै ही श्रेष्ठ

॥ ओम अर्हम ॥

M.: 9830023490

**श्री धर्मचन्द्र-भीखमचन्द्र पुगलिया**

शुभकामनावां-श्रीमती किरणदेवी-सुशीलादेवी

कालूबास-श्रीडूंगरगढ़-कोलकाता

साहित्य हुवै। हळकी-फुळकी रचनावां समै री आंधी में उजड़ ज्यावै। जकै कवियां रो साहित्य इण विसंगति री दुर्दांत आग सूं बचग्यो, ओ बांरी कविता री श्रेष्ठता रो प्रमाण है। नीं तो इण आग रै प्रभाव सूं चोखा-चोखा प्रतिभाशाली कवि आपरी मूळ भावधारा नें छोड़'र अश्लील अर भद्दी चुटकुलाबाजी रो हिस्सो बण्योड़ा है। आ भी सच्चाई है कै ओ बदळाव अर पतन यकायक हुयोड़ो कोनी है। आ अेक लंबी कथा है। परंपरागत कविता सूं नयी कविता, छंद-बद्ध सूं छंदमुक्त कविता, तुकांत सूं अतुकांत कविता री जात्रा रै दौरान कविमंचां में भी संक्रमण रा तंतु घुसग्या। व्यावसायिकता अर आर्थिक आपाधापी वालै युग री चाल नें समझणियां कीं हुंसियार लोगां री आंख्यां कवि सम्मेलनां पर भी पड़ी। बदळाव री आंधी में आं लोगां नें कवि मंचां पर आपरै दाखिलै रो अेक सरल-सो आधार निजर आयो अर बो हो कवि सम्मेलनां रो आयोजन। कवि सम्मेलनां रो आयोजन करतां आं लोगां अेक तीर सूं दो शिकार करणां सरु कर्या। पहलो तो दाठीक आयोजक रो खिताब अर दूसरो बां कवियां सूं आ शर्त कै म्हैं थानै बुलावूं, थे म्हनै बुलावो। जिण भांत ऊंठां रै ब्याव में गीत गांवता गर्दभ ऊंठां री प्रशंसा करै कै वाह कांई रूप पायो है, तो ऊंठ पाछी बांरी प्रशंसा करता कैवै-वाह भई गर्दभ, कांई कंठ पायो है, थारै सिरखी मीठी वाणी और कठै है। “उष्ट्राणाम विवाहेषु, गीतं गायंती गर्दभा। परस्पर प्रशंसयंती, अहो रूपम् अहो ध्वनिः”। आपस में इण भांत रो नाटक कविमंचां पर आम होयग्यो।

इण भांत कविमंचां पर बां ही लोगां रो बोलबालो हुयग्यो, जका ‘अहो रूपम् अहो ध्वनि’ रा पोषक बण्या। आंरी व्यावसायिक दीठ

इतरी तेज है कै आं इण सिलसिलै में अेक-दूसरै री कीमत दिन दूणी अर रात चौगणी बधायली। आं रै बीच में कई इसा कवि भी हुवै जका चुटकुला नीं बोल'र आछी कविता करै पण बै कवि सम्मेलनां नें मैनेज नीं कर सकै, इण वास्तै बांरी कीमत कम है कयूंकै कीमत बधाणियां जे आंरी कीमत बधा देवै तो खुद बांरी छवि पर प्रश्नचि लागै। कवियां सारु कीमत बधावण अर बार-बार कविमंच प्राप्त करणै रो अेक सूत्र है- “तुम मुझे गॉड-फादर कहो, मैं तुम्हें जीनियस कहूंगा।”

मतलब ओ कै आप किणी तीसमारखान कविराज नें आपरो माईबाप स्वीकारो तो बो आपनै अर आपरी कविता नें सातवै आसमान पुगासी अर आपनै होनहार बतावतां बार-बार कवि-सम्मेलन रा मंच उपलब्ध करासी। जियां ई ओ सूत्र अपणावोला, आपरो गॉडफादर जिण रस रो रसूकदार है, आपरी रचनावां भी उणी रस में हुवणी सरु हुज्यावै। इण कारण सूं घणै ई कवियां री भावधारा बदळीजती दीखी है अर बदळीजती कांई बरबाद हुंवती-सी दीखी है। जिण तेवर सागै काव्ययात्रा सरु करी बो तेवर ठा नीं कठै छुपग्यो। कदैई वीर अर करुण जैड़ा रसां में लिखणियां लोग कोरै चुटकुलां अर हळकी टीका-टिप्पणियां सूं ई काम निकाळै।

हालत आ है कै मंचां सूं साहित्यिक लोगां तौबा करली, ई रो खामियाजो आज पूरै समाज नें भुगतणो पड़ै। आपणो लेखो-जोखो देखां तो लागै कै आपां मिंदरां में तो गया पण बठै सूं श्रद्धा अर भगती री जाग्यां कोरी भभूती रमा'र आयग्या। खून अर भावां रै रिस्तां री पवित्रता री ठौड़ फकत रस्मां निभावण में लाग्योड़ा हा। सच्चाई आ है कै-

॥ ओम अर्हम ॥

M.: 9830451701

**जीव-जतन जनकल्याण ट्रस्ट, कोलकाता**

**जतनलाल-आनंदकुमार पारख**

**मोमासरबास-श्रीडूंगरगढ़**

औरां सूं पैली आगत री,  
पदचाप सुणणियां पथराया।  
परकत रै मूक पळाकां नै,  
महसूस करणियां मुरझाया।।  
अंतस रै ऊंडै भावां नै,  
अनुभूत करणियां अबै कठै।  
बै मन मसोस नै मौन धार,  
गूंगां ज्यूं बैठा आज अठै।।  
अब जामवंत री जीभ बिनां,  
कपि तन में पौरुस कुण भरसी।  
सतवट पर राखण साहित नै,  
सुण कलम साच बोल्यां सरसी।।

(‘शक्तिसुत’)

राजस्थानी अर हिंदी दोनू कवि मंचां रो हाल अबार ओ ई है। इण रै विपरीत आज भी उर्दू मंचां रो आपरो श्लील अदब है, बठै अनुशासनहीनता रो तांडव नीं है, इण रो कारण वरिष्ठ शायरां री मर्यादित प्रस्तुतियां है अर सागै-सागै उणरै पाठकां अर श्रोतावां री संख्या भी चुनिंदा ई है। इण भांत रो प्रयास हिन्दी अर राजस्थानी मंचां पर भी घणो जरूरी है। आ बात भी साव साची है कै जकै रचनाकारां लगोलग कविमंचां पर आपरी श्रेष्ठ अर ओपती रचनावां प्रस्तुत करी है, आपरी मूळ तासीर नैं भंग हुवण सूं बचा राखी है, किणी धड़ै रा अंग भी कोनी बण्या तो किणनैं ई आपरो गॉडफादर भी नीं बणायो अर ना ही खुद किणी रा गॉडफादर बण’र दूजां नैं जीनियस कैवण रो ठेको लियो है, बां रचनाकारां री सिरजणा आज भी सुधी पाठकां रै मूँढे आदरीजै।

राजस्थानी कविमंचां रा महारथी कविजनां सूं आ अरज करतां इण आलेख नैं पूरो करूं कै कविता रै कलापख या भावपख में कोई छोटी-मोटी कमी रै ज्यावै तो उणमें सुधार होवण री संभावना बणी रैवै पण जे उणरी धारा संस्कारां सूं अर मरजादा सूं अलायदी चालै तो पछै कदैई सागण गेलै कोनी आ सकै, इण वास्तै नयी पीढी रा उत्साही कविजन इण बात नैं ध्यान राखता सांतरो अर ओपतो सिरजण करै। इणरो आधार ओ है कै जकी रचना नैं आपां परिवार में पिताजी, माताजी, बहू, बेटी अर बहन-भाई सगळा अेक जाजम पर सुण सकां, उण पर चर्चा कर सकां बा साहित्य री धरोहर है। लाफ्टर चैलेंज का पछै रियलिटी-शॉ सूं साहित्य रो कोई लेणो-देणो कोनी, इण वास्तै आपणी कविता पर बांरी परछाईं नीं पड़णी चाईजै। हो सकै ब्होत-सा मंचीय कवि म्हारी बात रो प्रबळ विरोध करतां हजार तरह रा तर्क दे सकै कै श्रोता आ ई चावै, का पछै पिक्चरां में कांई हो रियो है आद-आद पण साच नैं कोई आंच कोनी अर साच आ है कै श्रोता आपनैं नीचै गिरतां देख’र हंसी रो उपहार देवै पण कदैई पाछो ऊपर उठण री खेंचळ में थारो साथ नीं देवैला। आज भी मंचां सूं सरस अर सामयिक कवितावां प्रस्तुत करणियां लोगां नैं बार-बार ताळियां री भीख कोनी मांगणी पड़ै, आ बात सिद्ध करै कै जमानै रै प्रभाव सूं काच अर कथीर रा भी बिक्री केंद्र तो खुल गया पण सोनो तो सोनो ही है। आस करूं कै म्हारा कविमित्र इणरो अजोगतो प्रतिकार करण री बजाय आपरै सिरजण री धार नैं तेज करसी। जै राजस्थानी!



*With best compliments from*

**ANJUSHREE RATHI**

**RAJDEEP LARHA**

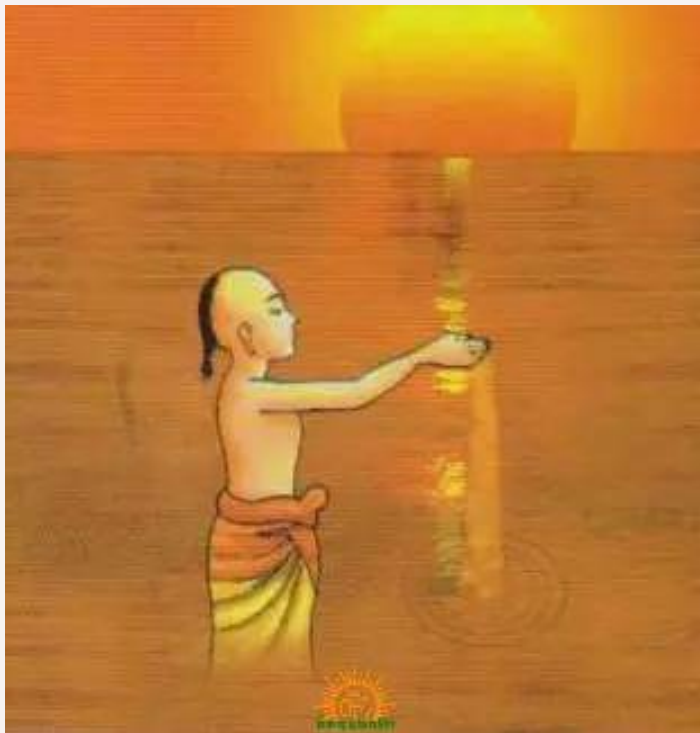
2580 SE 32nd Street, Sammamish, WA-98075 USA Ph: +1-508-410-5765

Email: anjushree@gmail.com

# संध्या-वंदन रा अधिकारी



वैद्य श्रीराम कौशिक



भारतीय संस्कृति शिक्षा रा मूल स्रोत ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद अर अथर्ववेद नाम रा चार वेद होवै; जगन्नियन्ता स्वयंभू ब्रह्मा आदि प्रणेता है। गायत्री वेद री जननी है। मानव मात्र नै ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य अर शूद्र -आं च्यार भागा में बांटीज्या अर मिनख रै. जीवण री सौ बरस री उमर ने 25-25 बरस री मान'र ब्रह्मचर्याश्रम, ग्रहरथाश्रम, वानप्रस्थाश्रम अर संन्यासाश्रम में बांटीजी। हालांकि आ बात बीं रूप में कोनी रैयी, पण कोई न कोई रूप में जरूर देखण में आवै। ब्राह्मण सब में प्रमुख होवै, पण बो ही ब्राह्मण जको ब्रह्मसूत्र यानी जनेऊ पैरै, संध्या-वंदन, कर्म-कांड, यज्ञ-

जप-तप आद श्रोतस्मार्त कर्मानुष्ठान रो अधिकारी बो ही होवै जको विधि-विधान सूं जनेऊ नियमां रो पालन करै।

‘मूलं नैव कुतः शाखाः’ सगळे लोक कल्याण री भावना सूं हरेक वर्ण ’स्वधर्म निधनं श्रेय’ यानी आपरै धरम-करम में रैवतो थको मरणो गीता में सिरै बतायो है। ‘दक्षस्मृति’ मांय लिख्यो है कै संध्या-वंदन नीं करणियो ब्राह्मण अपवित्र होवै, जो धरम करम बो करै, उणनै बां रो फल नीं मिलै। देवी भागवत में सूं कड़वी अर खरी बात कैयी है कै जो द्विज संध्या नीं जाणे अर संध्योपासना नीं करै बो जीवतै- जी शूद्र ही रैवै अर मस्यां पछै कुतै री जूणी भुगतै।

आलस त्याग र ब्रह्ममुहूर्त में उठ'र जे तीन बरसां ताई संध्या-वंदन कर 'र गायत्री मंत्र जपै बो वायुरूप मृत्यु नै प्राप्त करै अर आकास री तरियां व्यापक होय'र परब्रह्म नै प्राप्त करै। अणजाण में होया पाप नै त्रिकाळ संध्या सूं मेट्या जा सकै है। जको कोई नितकी न्हायां पछै संध्या करै, कदै लांघा नीं करै, बीं रै भय-बाधा सारै ही कोनी फटकै, जियां गरुड़ पंछी कानी सांप नीं आवै। आ बात जद म्हनै गुरुजनां अर विद्वान पंडितां सूं ठा लागी तब सूं बिना लांघा कस्यां संध्या शुरू करी, बीं रो आछ्यो नतीजो देख रैयो हूं।



हार्दिक मंगलकामनावां

श्री पानमल अमृतलाल रायचन्द सुशीलकुमार कुहाड़

मोमासर • कोलकाता • दिल्ली

राजस्थानी लघु फिल्म

# अरज

एक अनुभव

● किरण राजपुरोहित नितिला



लॉकडाउन दो हजार बीस केई मायना में दुखदायी सिद्ध हुयो अर इणरै खौफ सू लोग सदियां ताई धूजता रैवैला। फेर भी इण काल में कीं ऐड़ो भी हुयो जिको कठै न कठै समै पर भरोसो जगावै अर मानव जीवन री सास्वतता माथै मोहर

लगावै। इणी समै में म्हारै जीवण री उपलब्धि एक लघु फिल्म बणी, जिकी उण समै म्हनै घणो संबळ दियो अर आत्मविश्वास बधायो। अभिनय सारू म्हारो अनुभव साव नूवो हो पण मायड़ हेताळु इण राजस्थानी फिल्म नै घणो सनेव दियो। आ फिल्म



राजस्थानी वाणी रै प्रकाशन सू आपणी मायड़ भाषा रौ मान बधै,  
भाषा प्रेमी इण कानी आकर्षित होवै, आ ही कामना।

## अमित अग्रवाल

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच



बणनो एक अचानक घटी घटना रो क्रम सो हो।  
आधै दिन में शूट होई इण फिल्म री कथा भी रोचक है।

दो हजार बीस रै नवंबर रै दिनां मांय मां वीणापाणि रै आसीस सूं माणक विशिष्ट लेखिका सम्मान री घोसणा इण अकिंचन रै नाम हुयी। पाली भास्कर मांय इण री मयफोटू खबर छपी। लॉकडाउन रै दिनां मांय आपरै गांव आयोड़ा निर्देशक कैमरामैन गजेन्द्रबिहारी वैष्णव आ खबर बांची। ओ बता दूं 'क गजेन्द्र वैष्णव बहुमुखी प्रतिभा रा धणी है। आप रै नाम केई आविष्कार भी पेटेंट है अर सागै ही टीवी सीरियल रा कैमरामैन रै तौर पर मशहूर है। इणी सागै वै आपरै अर दूजै चैनल्स सारू वीडियो शूट करै अर शॉर्ट फिल्म बणावता रैवै।

गोडवाड़ अंचल री बेटी रै पुरस्कार री खबर सुणनै वै आपरै चैनल 'मारवाड़ गोडवाड़' सारू इंटरव्यू करण री गुजारिश करी। म्है तुरंत मान ली। एक दिन वै पधारया अर आपां रै फार्म माथै ही दो

भांत रा इंटरव्यू शूट करया। चूंकि ओ वगत दोगज दूरी रो हो तो बकायदा सख्ती सूं इणरो पालन करतां फार्म पर ही शूट करयो गयो। इणरै अलावा वै आपरी योजनावां माथै चरचा करी कै जवाळी में लघु फिल्म अर डॉक्यूमेंटरी फिल्मां शूट कर ली है अर अबै दूजी भी फिल्मां बणाणी है, जिणरी कास्ट री सोध है। अचाणचक वै प्रस्ताव दियो कै- आप जबरदस्त कैमरा फ्रेंडली हो। पूरै आत्मविश्वास सूं इंटरव्यू दिया हो। कांई आप एकाध रोल कर सको?

एक पल तो म्हें झिझकी, पण दूजै पल हां कह दियो, बावजूद इणरै कै म्हनै अभिनय रो कक्को ई नीं आवै। पण ठाह नीं किंया मैसूस हुयो कै एक्टिंग तो कर ही लेसूं, भलै एक्टिंग सीखी नीं हूं। इयां म्है दूरदर्शन पर साक्षात्कार अर कार्यक्रम दीयोड़ी ही तो कैमरा फेस रो कीं अंदाजो हो। म्हारी हां सूं वां री मोटी अबखायी सुळझगी ही। कथा वां रै मन में पैला इज तै ही अर पछै बाकी बातां पर



**श्यामसुन्दर शंवर**

कालूबास, श्रीडूंगरगढ़

**Sandeep International**

73/1 Cotton Street, Kolkata 700007

M 9831699610  
9830284667

“ दो बज्यां सू पांच बज्यां ताई खास उंतावळ में एक रीटेक सू ईज सगळा सीन री शूटिंग हुयी। सो क्यूं इती उतावळी में हुयो कै कीं सोचण रो मौको ही नीं मिल्यो। धड़ाधड़ सीन शूट हुया जिणसूं निर्देशकजी घणा राजी नीं हा, पण खाथाई में जिको हो रैयो हो वो ई भलो हो। नौसीखियां सू बढिया अभिनय री आस नीं ही।

विचार करण लागा।

कथा वां री इज लिखीयोड़ी ही जिण में अंतस री अरज रो प्रभाव हो। जिण में गरीब मां रै बेटा नैं बरसां सू लाइलाज बीमारी है, जिणरो इलाज जयपुर रा मोटा डाक्टर माथुर साब ईज कर सकै पण उण कनै इलाज सारूपइसा कोनी। वा ईस्वर सू अरज करै कै कीकर ही करनै बेटो ठीक होवै तो गाडो गुड़ै। ईस्वर री लीला कै किणी कारण डॉक्टर माथुर उठा सू निकळै अर उण घर कनै उणांरी गाडी खराब होय जावै।

इण लघुफिल्म री कास्ट सारू एक डॉक्टर, एक उणरो ड्राइवर अर एक मरीज अर उणरी मां चाहिजती। ओ भी संजोग ही हो कै चार चरित्र चाहिजता अर च्यारूं म्हारै घरै लाधग्या। टाबर कॉलेज री छुट्टियां रै कारण घरै ही हा अर डॉक्टर म्हारा पतिदेव हा इज अर म्हैं। टाबरां नैं कैयो तो वै भी एक पल झिझकिया अर दूजै पल हां कर दी। डॉक्टर साहब नैं मनावण में एक दिन लागो। एक कांनी तो कोरोना मरीजां री दुखदायी स्थिति, एक कांनी सियाळा रा साव नैनां दिन। अस्पताल सू मोहलत मिलणी असंभव सी ही। कैमरा फेस रो वां नैं अनुभव नीं हो तो वै साव नटग्या।

वां नैं मनाया गया। टाबर घूम फिर बेगी ही झूपड़ी री लोकेशन सोधी। मनचावी लोकेशन सू निर्देशकजीबोत हरखित हा पण समै री कमी रै

कारण धाका-धीका में सो क्यूं तय हुयो। कॉस्टयूम रो कीं खास मसलो नीं हो। स्क्रिप्ट में रोटी अर छबोलियो चाहिजतो जको म्है लेगी। माचो अर राली उण भीलां रै घरै सू लिया। संवाद लिखै जितरो अर सैट स्कैच बणावै जितो समै नीं हो तो लोकेशन पर ही देखणो तय करयो। कहाणी ढंग सू समझाई। पतिदेव डॉ नरेन्द्रसिंह नैं कहाणी मुजब डॉ माथुर रो रोल दियो गयो। मोटा बेटो सूर्यवीर री डीगी कद काठी अर दाढी रै कारण ड्राइवर रो रोल दीयो। म्हनै गरीबणी मां अर छोटा बेटा यशोधन नैं मरीज रो रोल दियो जिणरा तो की संवाद नीं हा। बस सूतो रैवणो भर हो।

निर्देशक जी मुंबई सू आननफानन में आया हा सो उणा कनै कैमरा सैट पूरो नीं हो ना ही कोई असिस्टेंट ही हो। एक कैमरो अर दो माईक सू ईज सगळो साधणो हो। ओ वां रो हुनर हो। एडिटिंग-मिक्सिंग मुंबई में होवणी ही। सो शूटिंग रै कीं दिन पछै मुंबई जाय एडिटिंग हुयां पछै रिलीज रो कैयो गयो।

21 दिसंबर शूट रो दिन तय करयो जिको बरस रो सगळां सू छोटो दिन हुया करै। उमेद ही 'कै कोरोना मरीजां रै कारण डाक्टर साब फ्री नीं हुय सकैला अर ओ ही हुयो। डॉक्टर साहब व्यस्त हो जितै गजेन्द्र जी हाइवे अर लोकेशन पर जायनै लांग -क्लोज शॉट लिया। वगत कम हो अर सगळां

मोहनलाल सिंघी, श्रीझंगरगढ़  
Chairman-cum-Managing Director

M 08984333333  
09437030594

**T.M. YOGESH TEXTILE PVT. LTD.**  
WHOLESALE CLOTH MERCHANT

**NANDI SAHI, CUTTACK-753001 (ODISA)**

Ph. : 0671-2308784/2308364 (O)/2416603 (R)

Email : tmyogesh1@gmail.com

री व्यस्तता रै कारण उणी दिन शूट करणो जरूरी हो। दिन री ढाई बज्यां डाक्टर साब नैं नीठ कीं वेळा व्ही तो भाग्या लोकेशन माथै। जोग सूं भीलां रा टिंगर बारै गयोड़ा हा तो सांयती ही सो कीं काम सोरो हुयो। फटाफट सीन समझाया गया। रीटेक रो समै नीं हो क्यूंकै तावड़ा में खाताई सूं बदळाव आ रैयो हो जको सीन में आवणो ठीक नीं हुया करै। स्क्रिप्ट मुजब उणी बखत डायलॉग बनाया गया। एक एक रीटेक में ही सहज संवाद बोल्या गया जिण में बणावटी कीं नीं हो। स्थानीय बोली रो लहजो कायम राख्यो गयो। हंसी-मसखरी रै बीचै काम चालतो रैयो।

दो बज्यां सूं पांच बज्यां ताई खास उंतावळ में एक रीटेक सूं ईज सगळा सीन री शूटिंग हुयी। सो क्यूं इत्ती उतावळी में हुयो कै कीं सोचण रो मौको ही नीं मिल्यो। धड़ाधड़ सीन शूट हुया जिणसूं निर्देशकजी घणा राजी नीं हा, पण खाथाई में जिको हो रैयो हो वो ई भलो हो। नौसीखियां सूं बढिया अभिनय री आस नीं ही। पण म्है सगळा इण में ही राजी हा कै कम सूं कम फिल्म री शूटिंग नै नैड़ा सूं तो देख सक्या। फिल्म रिलीज होवै या नीं इणरी चिंता नीं ही।

उणी दिन रात रा गजेन्द्र जी रो फोन आयो कि एडिटिंग ओनलाईन ही शुरू कर दी है। कीं ठीकठाक एडिट करनै गजेन्द्रजी दो-तीन जणां नै देखण नैं भेजी तो वै फिल्म सूं, एक्टिंग सूं खासा राजी हुया। जिणसूं भरोसो बध्यो। अंततः अनुराग कश्यपजी इण फिल्म नैं हरी झंडी दी तो निर्देशक

जी री हूंस बधी अरएक दो दिन में ही यूट्यूब पर फिल्म रिलीज करण री तेवड़ी। सुणतां ही धक-धक होवण लागी। रात बारा बज्यां रिलीज हुयी अर सुबह सूं ही फोन आवणा सरु होयग्या। आश्चर्य, जस, साबासी अर केई भावनावां सूं भरया फोन मैसेज आवता। यूट्यूब पर देखणवाळा खाथाई सूं बध्या अर फिल्म शेयर अर फॉरवर्ड होयी। कारीगर सूं लेयनै सागआळी अर ऑफिसर सूं लेयनै एमआर, घर सूं लेयनै समाजतक सगळा इण फिल्म नैं सराही। यूट्यूब सूं हटनै पछै आ फिल्म साधारण वीडियो रै माफिक स्वतंत्र ही शेयर-फॉरवर्ड होवती पाछी म्हां ताई पूग जावै। तीस लाख सूं बदता देखणिया दो महीना में होयगा हा। टाबर भी बोट राजी हुया।

जद सूं लेयर आज भी आ फिल्म जस दिरावै। डॉक्टर साब नैं उणारा सगळा मरीज पैचाण ही गया। वो दिन है अर आज रो दिन है लगैटगै अक्सर ही फिल्म रै कारण सराहना रा सबद हिया में रस घोळै। फिल्म री इत्ती सफलता रो अंदाज नीं हो पण मासूम सी कथा अर ठेठ देहाती राजस्थानी लहजा रै कारण लोक रै मुंडै सूं आ फिल्म जस दिरायगी।

म्हां च्यारां रै जीवण रो अनोखो अनुभव हो जिण मांय साव मौलिकता ही। एक साल होवण आयो है अब कांई ठाह नीं कित्ता देखणिया हुया है। गजेन्द्रजी री मेहनत अर दरसकां रो सनेव हो 'क आ फिल्म यादगार बणी।



Welcome to My Kolkata Based Shooting Equipment Rental House

Video Cassette  
8 mm  
Super8 to Pendrive  
Transfer Service

**UTTAM KUMAR PUGALIA**

Mob. : 9331018052

Email : [uttamphotographics@gmail.com](mailto:uttamphotographics@gmail.com)

Photography Videography  
Service  
Camera Rental  
Service

7, Purna Chandra Mitra Lane, Kolkata-700033. Near Rabindra Sarovar Metro



● मनोहरसिंह राठौड़

# आपणी कहावतां अरथ समेत

**अबै आंख्यां उघड़ी**

हिन्दी अर्थ-अब वस्तुस्थिति का ज्ञान हुआ।

●●●

**अबै किस्या मियां मरग्या कै रोजा**

**घटग्या**

हिन्दी अर्थ-अब कौन से मियां मर गए, जिससे रोजे करने वाले कम पड़ गए।

●●●

**अबखो भार ऊंट ई छोड़ दिया करै**

हिन्दी अर्थ-अव्यवस्थित वस्तु को ऊंट पर भी नहीं लादा जा सकता।

●●●

**अभलै नाई री तो पूंन ई पूंन है**

हिन्दी अर्थ-अभले नाई की ओर से हवा के झोंके ही हैं यानी बिना खर्च किए श्रेय लेना।

●●●

**अभागिये चोर नै मिन्नी ई भूंसे**

हिन्दी अर्थ-भाग्यहीन चोर को बिल्ली भी भोंक कर डरा देती है।

●●●

**अभागिया टाबर तिवार नै रोवै**

हिन्दी अर्थ-भाग्यहीन बालक त्योहार के दिन भी नाराज होकर भूखा रहता है।

●●●

**अमर नांव परमेसर रो**

हिन्दी अर्थ-एकमात्र ईश्वर ही अमर है।

●●●

**अमलदार नै कांई हेलो देवणो**

हिन्दी अर्थ-अमलदार को किसी काम के लिए पुकारना व्यर्थ है।

●●●

**अमरा तो म्हे मरता देख्या,भाजत देख्या सूर।**

**आगै सै पाछा भला खसम भला लहटूरा।।**

हिन्दी अर्थ-पति के लहटूरा नाम से दुखी स्त्री घर छोड़ चली। मार्ग में उसने अमर नामक व्यक्ति को मरा हुआ देखा, शूरवीर को डर कर भागते पाया, तब समझ आई और घर लौट चली। जो मिला उसी में संतोष करना चाहिए।

●●●

With best compliments from

Cell- 9931865700  
9431214996

## M/S Govindram Maliram

**Sajan Kumar Khaitan**

**(Cloth Merchant)**

Po- Pirpainti Bazar, Dist - Bhagalpur, Bihar

**अमली च्यार अर हुक्का तीन।**

हिन्दी अर्थ-नशेबाज चार और उनके बीच तीन हुक्के अर्थात् झगड़ा अवश्य होगा।

●●●

**अमावस आपरी ठौड़ अर पूनम आपरी ठौड़।**

हिन्दी अर्थ-अमावस्या और पूर्णिमा का अपनी-अपनी जगह महत्त्व है।

●●●

**अमीर री उगाळी अर गरीब रो चारो।**

हिन्दी अर्थ-अमीर पेट भरने पर जितना व्यर्थ छोड़ देते हैं, उससे गरीब का गुजारा हो सकता है।

●●●

**अमूजान की बाकरी खा गई सारा खेत।  
धाक पड़ी लखधीर की खा गया खाल समेत।।**

हिन्दी अर्थ-शेर को सवाशेर मिलने पर ब्याज सहित वसूल कर लेता है।

●●●

**अम्बर टोकसी-सो दीखै।**

हिन्दी अर्थ-अहंकारी को आकाश कटोरी जितना दिखाई देता है।

●●●

**अम्बर दूझै भूत कमावै। आकासी धन आपेई आवै।**

हिन्दी अर्थ-सौभाग्यशाली के पास बिना प्रयास के अपार संपत्ति आती है।

●●●

**अम्बर पटकी अर धरती झेली कोनी।**

हिन्दी अर्थ-आकाश ने गिरा दिया और धरती नै आसरा नहीं दिया। अपार दुखों का आना।

●●●

**अम्बर पीळो- मेह सीळो, अम्बर रातो मेह मातो।**

हिन्दी अर्थ-वर्षा काल में बादल पीले रंग के हों तो वर्षा मंद रहेगी, यदि लाल रंग के बादल हैं तो वर्षा खूब होगी।

●●●

**अम्बर हरियो चुवै टपरियो।**

हिन्दी अर्थ-आकाश का हरापन, निरंतर सामान्य वर्षा का सूचक है।

●●●

**अरड़ावता ऊंट लदीजै।**

हिन्दी अर्थ-ऊंट जोर-जोर से गला फाड़ता रहता है और उस पर लदान होता रहता है।



**जे आपनै राजस्थानी कहावतां दाय आवै तो आपनै आं कहावतां री पोथी लागत मोल में लेखक कांणी सूं छपवाय'र दी जा सकै। आप बीं पोथी नै बंटवाय सको।**

**ओम् अर्हम्**

**मातृभाषा राजस्थानी नै हियै मांय बसाओ**

**M.: 9891091196**

**श्री मोहनलालजी-पुखराज सेठिया**

**मोमासर-श्रीडूंगरगढ़**



**लाजपत राय मार्केट-दिल्ली**

